सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 226 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 30 मई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

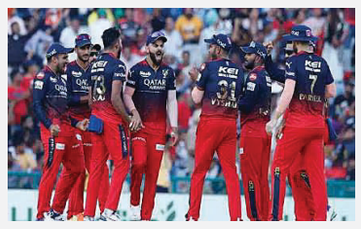

RCB ने प्लेऑफ में मचाया गदर, बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को हराकर सीधे फाइनल का टिकट कटाया

मुल्लांपुर (एजेंसी)। आरसीबी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया और गेंदबाजों ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाते हुए पंजाब किंग्स को 14.1 ओवर में महज 101 रन पर समेट दिया। फिर सॉल्ट ने विराट कोहली (12) के साथ पहले विकेट के लिए 20 गेंद में 30 रन और मयंक अग्रवाल (19) के साथ दूसरे विकेट के लिए 27 गेंद में 54 रन जोड़कर आरसीबी को 10 ओवर में दो विकेट पर 106 रन बनाकर आसान जीत दिलाई।

आईपीएल 2025 के पहले क्वालिफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को हराकर सीधे फाइनल का टिकट कटाया। टीम 2011, 2015 और 2016 के बाद चौथी बार फाइनल में पहुंची है। हालांकि, आरसीबी को अब भी अपने पहले खिताब का इंतजार है और विराट कोहली इस साल आईपीएल ट्रॉफी के सूखे को खत्म कर सकते हैं। पंजाब के खिलाफ आरसीबी की टीम ने कई रिकॉर्ड्स भी बनाए।

इस सीजन पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट

आईपीएल 2025 में बेंगलुरु की टीम ने पावरप्ले यानी शुरुआती छह ओवर में सबसे ज्यादा विकेट चटकाए हैं। आरसीबी ने इस सत्र में कुल मिलाकर पावरप्ले में 26 विकेट चटकाए हैं। इनमें से चार विकेट गुरुवार को पंजाब के खिलाफ आए। आरसीबी के बाद इस लिस्ट में मुंबई की टीम है, जिसने इस सीजन में शुरुआती छह ओवर में 23 विकेट चटकाए हैं।

सरकारी स्कूल में चोरी, हेडमास्टर के ऑफिस से टीवी व लैपटॉप पार, इंडक्शन टॉप भी ले गए चोर

भिलाई। दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र के डुंडेरा स्थित सरकारी स्कूल में चोरी का मामला सामने आया है। सरकारी स्कूल में प्रधान पाठक के ऑफिस में चोरी हुई है। यहां से चोरों ने टीवी, लैपटॉप व अन्य सामग्री चुरा ली। इस मामले में उतई पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ 305-BNS, 331(4)-BNS तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

उतई पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शासकीय प्राथमिक शाला डुण्डेरा की प्रधान पाठिका उर्वशी शर्मा बताया कि 29 मई की सुबह अपने स्टाफके साथ स्कूल पहुंची तो देखा कि स्टोर रूम का दरवाजा का ताला टूटा हुआ था। अंदर प्रधान पाठक के कक्ष में रखा स्मार्ट टीवी, डेल कंपनी का लेपटाप, स्टाफरूम में रखे इंडक्शन बजाज कंपनी का एवं स्टोर रूम में रखे स्वछता सामाग्री किसी ने चुरा ली। 28 व 29 मई की रात को अज्ञात चोर ने सामान चुराया है। कुल 60 हजार रुपए का सामान चोरी किया गया। इस मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुर्ग सांसद विजय बघेल को मिली बड़ी जिम्मेदारी, 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम में भारत का करेंगे प्रतिनिधित्व

- देशभर के 6 सांसदों में दुर्ग सांसद विजय बघेल का भी नाम, एक जून को होंगे रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल को केन्द्र सरकार ने बड़ी जिम्मेदारी दी है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में होने जा रहे 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम में भारत का प्रतिनिधित्व के लिए सांसद विजय बघेल को चुना गया है। इस फोरम के लिए देश के 6 सांसदों का चयन किया गया जिसमें दुर्ग सांसद को शामिल किया जाना पूरे लोकसभा क्षेत्र के लिए गर्व का पल है। सांसद विजय बघेल ने गुरुवार को इस संबंध में मीडिया से चर्चा कर जानकारी साझा की।

बता दें कि 11वां ब्रिक्स संसदीय फोरम ब्रासीलिया, ब्राजील में आयोजित होने जा रहा है। यह प्रतिष्ठित फोरम 3 जून से 5 जून 2025 तक चलेगा और इसमें ब्रिक्स देशों के सांसद वैश्विक महत्व के विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। सांसद विजय बघेल संसद की विदेश मंत्रालय की स्थाई समिति के सदस्य हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपनी अध्यक्षता में सांसद विजय बघेल को उक्त बहु प्रतिष्ठित ब्रिक्स संसदीय फोरम के दल में स्थान दिया है। सांसद विजय बघेल 1 जून 2025 को दिल्ली से अपनी यात्रा शुरू करेंगे। दुबई और साओ पाउलो होते हुए ब्रासीलिया पहुंचेंगे। उनका आगमन 2 जून 2025 को ब्रासीलिया में होगा

सांसद बघेल की सक्रिय भूमिका

यह भागीदारी वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है और ब्रिक्स देशों के बीच संसदीय सहयोग को बढ़ावा देने में सांसद बघेल की सक्रिय भूमिका को दर्शाती है। उक्त फोरम की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे। सांसद विजय बघेल के अलावा उपसभापति राज्यसभा हरीवंश, राज्यसभा सांसद सुरेन्द्र सिंह नागर, सांसद विवेक ठाकुर, सांसद डॉ. साहबारी बायरेड्डी, लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह व महासचिव राज्यसभा पीसी मोदी ब्रिक्स पार्लियमेंन्ट्री ब्रासीलिया, ब्राजील में शामिल होंगे।

3 जून को महिला सांसदों की बैठक में होंगे शामिल

सांसद विजय बघेल ने बताया कि फोरम का एजेंडा व्यापक है, जिसमें कई महत्वपूर्ण कार्यसत्र शामिल हैं। 3 जून को वे ब्रिक्स महिला सांसदों की बैठक और ब्रिक्स संसदों की अंतर्राष्ट्रीय मामलों की समितियों के अध्यक्षों की बैठक में शामिल होंगे। इन सत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में महिलाओं, जलवायु संकट का सामना करने के लिए महिला सशक्तिकरण, और ब्रिक्स 2025 एजेंडा में महिला सांसदों की भूमिका जैसे विषयों-पर चर्चा होगी।

4 जून को फोरम का आधिकारिक उद्घाटन समारोह

इसी प्रकार 4 जून को फोरम का आधिकारिक उद्घाटन समारोह होगा, जिसके बाद 'वैश्विक स्वास्थ्य के लिए ब्रिक्स अंतर-संसदीय गठबंधन' और 'आर्थिक विकास के नए रास्तों की तलाश में ब्रिक्स संसदीय कार्रवाई' जैसे विषयों पर कार्यसत्र आयोजित किए जाएंगे। 5 जून को 'जलवायु और स्थिरता पर ब्रिक्स अंतर-संसदीय संवाद', 'जिम्मेदार और समावेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए अंतर-संसदीय सहयोग', और 'बहुपक्षीय शांति और सुरक्षा वास्तुकला के सुधार के लिए ब्रिक्स संसदै एकजुट' पर केंद्रित चर्चाएं होंगी। फोरम का समापन 'मजबूत और अधिक टिकाऊ ब्रिक्स अंतर-संसदीय सहयोग की ओर' एक कार्यसत्र के साथ होगा, जिसके बाद अंतिम दस्तावेज़ को अपनाया जाएगा और समापन टिप्पणी की जाएगी।

भारत अब सहन नहीं करता भारत अब सीधा जवाब देता है

आईएनएस विक्रांत से राजनाथ सिंह ने भरी हुंकार

पणजी (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को आईएनएस विक्रांत पर पहुंचे। यहां उन्होंने नौसैनिकों से मुलाकात की और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। उन्होंने नौसैनिकों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि आज INS Vikrant पर अपने नौसैन्य योद्धाओं के बीच आकर मुझे बड़ी खुशी हो रही है। जब मैं भारत की समुद्री शक्ति के गौरव आईएनएस विक्रांत पर खड़ा हूं, तो मेरे अंदर खुशी के साथ-साथ एक गर्व और विश्वास का भाव भी है कि जब तक राष्ट्र की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा आपके मजबूत हाथों में है, तब तक भारत को कोई तिरछी निगाहों से देख नहीं सकता। वैसे भी 'विक्रांत' का अर्थ ही होता है- अदम्य साहस, और अपराजेय शक्ति। आज आप सभी जांबाजों के बीच खड़े होकर मैं इस नाम के अर्थ को साकार होता देख रहा हूं। आपकी आंखों में जो दृढ़ता है, उसमें भारत की असली शक्ति झलकती है।

राजनाथ ने कहा, 'आज मैं यहां केवल रक्षा मंत्री के नाते नहीं आया हूं, बल्कि मैं यहां एक कृतज्ञ भारतीय के रूप में आया हूं। मैं आपके समर्पण को नमन करने, आपके शौर्य को सराहने और आपके परिश्रम को सलाम करने आया हूं। मैं आप सभी को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बधाई देता हूं। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद, जब भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, तो हमारे सशस्त्र बलों ने जिस गति, गहराई और स्पष्टता के साथ कार्रवाई की, वह अद्भुत था। उसने न केवल आतंकवादियों को, बल्कि उन्हें पालने-पोसने वाले सरपरस्तों को भी स्पष्ट संदेश दे दिया, कि भारत अब सहन नहीं करता, भारत अब सीधा जवाब देता है।

29 हथियार बरामद, लूटकर ले गए थे नक्सली

नारायणपुर। हाल ही में 21 मई को नक्सल प्रभावित क्षेत्र कालाहाजा-कुड़मेल के जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। जिसके बाद अब सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों से जवानों ने नक्सलियों के कब्जे से कुल 29 हथियार बरामद किए हैं, जिनमें से कई रायफलें पुराने बड़े हमलों में लूटी गई पाई गई हैं।

पुलिस ने 29 बरामद हथियार में से 4 रायफलों की पहचान कर ली है। ये हथियार ताड़मेटला (2010), कौशलनार (2010), गवाड़ी (2010) और बुरकापाल (2017) जैसे बड़े नक्सली हमलों से जुड़े पाए गए हैं। फिलहाल 25 हथियारों की पहचान होना बाकी है। जिसे पुलिस लगातार पहचान करने में जुटी हुई है। यह ऑपरेशन हथियार बरामदगी और नक्सली नेटवर्क तोड़ने के लिहाज से सबसे बड़ी सफलता माना जा रहा है। आपको बता दें कि जवानों और नक्सलियों के बीच 21 मई को कालाहाजा-कुड़मेल जंगल में में बड़ी मुठभेड़ हुई थी।

नवविवाहिता ने दी जान

कनेर का जहरीला बीज खाकर मौत को लगाया गले, 20 दिन पहले हुई थी शादी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जीपीएम। एक नवविवाहिता ने कनेर का जहरीला बीज खाकर आत्महत्या कर ली। उसकी महज 22 दिन पहले ही गौरेला थाना क्षेत्र के सारबहरा से शादी पेंड्रा के सोन बचरवार गांव में हुई थी। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान नवविवाहिता की मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने पूर्व प्रेमी पर ब्लैकमेल एवं प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। गौरेला पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

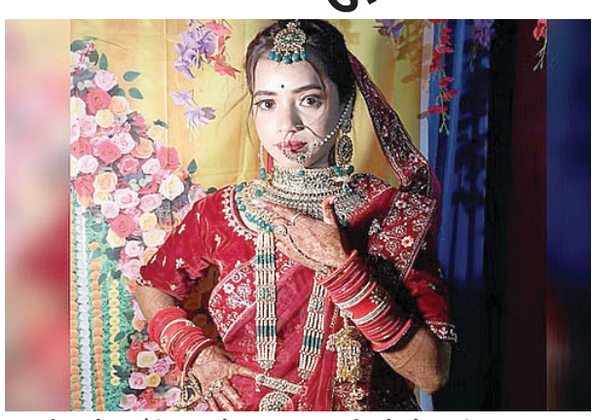

जानकारी के मुताबिक, गौरेला थाना क्षेत्र के सारबहरा में रहने वाली आरती बंजारे की शादी 22 दिन पूर्व 8 मई को पेंड्रा थाना क्षेत्र के सोन बचरवार गांव के रहने वाले युवक के साथ पूरे रीतिरिवाज के साथ हुई थी। बेटी की शादी करने के बाद लड़की के परिजन काफी खुश थे और उसके बाद आरती को चौथिया लेवाकर मायके लेकर आ गए थे। पांच दिन पूर्व ही आरती अपने मायके सारबहरा आई थी।

जिसके बाद आरती ने अपनी भाभी को बताया कि उसने कनेर का बीज खा लिया है और वह मरने वाली है। उसकी भाभी ने तुरंत घर वालों को इसकी खबर दी और परिजन आनन-फानन में आरती को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे पर उसकी तबीयत बिगड़ती गई और उसकी मौत हो गई। मामले में परिवार के लोगों ने आरती बंजारे के पूर्व प्रेमी पर शक जताया है। उनका कहना है कि पूर्व प्रेमी की प्रताड़ना से आरती ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आईपीएल के बाद अब सीसीपीएल सीजन-2 का आगाज़

6 जून से भिड़ेंगी छह टीमें, शशांक को इस टीम की कमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के द्वारा 6 जून से 15 जून तक राजधानी रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में राज्य की छह प्रमुख टीमें भाग लेंगी। जिनमें बिलासपुर बुल्स भी प्रमुख दावेदारों में से एक है। बिलासपुर बुल्स टीम की कप्तानी इंडियन प्रीमियर लीग में किंग्स इलेवन पंजाब की ओर से खेल चुके मशहूर ऑलराउंडर शशांक सिंह के हाथों में सौंपी गई है। टीम की आधिकारिक लॉन्चिंग पार्टी 29 मई को शहर के निजी होटल में की गई।

छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के सचिव मुकुल तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि टीम 3 जून तक बिलासपुर के रेलवे सेरसा मैदान पर अभ्यास कर रही है, जहां खिलाड़ियों ने फिल्डिंग, बैटिंग, बॉलिंग और प्रैक्टिस मैचों के जरिए खुद को प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार किया है। 4 जून को टीम रायपुर रवाना होगी, जहां उनका पहला मुकाबला 6 जून को होगा। इसके अलावा बिलासपुर बुल्स के अन्य मैच 8 जून, 9 जून और 11 जून को भी खेले जाएंगे। सभी मुकाबले शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम, रायपुर में होंगे।

इस टूर्नामेंट की खास बात यह है कि सभी टीमों के साथ राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी कोच शामिल किए गए हैं, जिससे खिलाड़ियों को उच्च स्तर की मार्गदर्शन और ट्रेनिंग मिल रही है। सबा करीम श्रीविवेक राजदान, अकय मेहरा, जैसे विश्व विख्याता कामेंटेटर मैच की आखों देखा हाल सुनाएगें। बीसीसीआई से चयनित एंपायर मैच की एंपारिंग करेंगे। वहीं एंटीकरप्सशन BCCI का चैनल मैच का नियंत्रण करेगा। सीपीएल के सभी मैचों का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स टेलीविजन पर किया जाएगा। जिससे राज्य और देशभर के दर्शक इस रोमांचक प्रतियोगिता का आनंद घर बैठे ले सकेंगे।

> 6 टीम शामिलः छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग में छह टीम हिस्सा ले रही है, जिसमें रायपुर राइनोज, राजनादगांव पैंथर्स, बस्तर बायसन, बिलासपुर बुल्स, सरगुजा टाइगर्स, रायगढ़ लायंस शामिल हैं। 6 जून को एक मैच खेला जाएगा। 7 जून को 2 मैच खेला जाएगा. 8 जून को 2 मैच, 9 जून को 2 मैच, 10 जून को 2 मैच, 11 जून को 2 मैच, 12 जून को 2 मैच, 13 जून को 2 मैच, 14 जून को 2 मैच और 15 जून को फाइनल मैच होगा।

इतना न गिरें कि उठना मुश्किल हो जाए

श्रीकंचनपथ

पश्चिम बंगाल में भाजपा ने ऑपरेशन सिंदूर चलाने का ऐलान किया है। भाजपा के नेताओं ने कहा है कि पार्टी घर-घर जाकर महिलाओं को सिंदूर भेंट करेगी। देश में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जबरदस्त जोश का माहौल है पर यह नहीं भूलना चाहिए कि सिंदूर की अपनी अहमियत है। सिंदूर किसी के नाम की लगाई जाती है। हिन्दू स्त्रियां अपने पति के नाम का सिंदूर लगाती हैं। पति की मृत्यु के बाद सिंदूर पर उसका अधिकार भी स्वतः समाप्त हो जाता है। सिंदूर का उपयोग देवियों की पूजा में भी किया जाता है। बंगाल में दुर्गा पूजा के अंतिम दिन 'सिंदूर खेला' की परम्परा है। इसमें सुहागिनें देवी मां को सिंदूर अर्पित करने के बाद एक दूसरे को सिंदूर लगाती हैं। गृहस्थी में भी नव दम्पति के आगमन पर दुल्हन को सुहागिनें अपने सिंधोरा से सिंदूर लगाकर उनके दीर्घ सुहाग की कामना करती हैं। पहलगाम हमले में आतंकियों ने हिन्दुओं को ही निशाना बनाया। पूछ-पूछ कर विवाहिताओं का सिंदूर उजाड़ा गया। इसलिए जब भारत ने जवाबी कार्रवाई का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखा तो किसी ने आपत्ति नहीं की। पर अब पश्चिम बंगाल में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को घर-घर पहुंचाने के नाम पर महिलाओं को उपहार के रूप में सिंदूर दिया जाएगा। सिंदूर केवल हिन्दू विवाहित स्त्रियां लगाती हैं। वह किसी और का दिया सिंदूर नहीं लगाती बल्कि यह उसके सुहाग और सतीत्व पर गाली की तरह है। सनातन और हिन्दुत्व की बात करने वाले लोग ही अगर इस तरह से सिंदूर का मजाक बनाएंगे तो बाकी दुनिया को हंसने से कौन रोक सकता है भला? पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसपर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा- 'सिंदूर का संबंध हर महिला से है। सिंदूर को पवित्र माना जाता है। महिलाएं इसे अपने पति के लिए लगाती हैं। हर महिला का सम्मान होता है। पीएम मोदी ऐसे बात कर रहे हैं, जैसे हर महिला के पति हों। वे अपनी पत्नी को सिंदूर क्यों नहीं देते?' दरअसल, गुरुवार को राज्य के अलिपुरद्वार में 32 मिनट का संबोधन दिया। इसमें उन्होंने ममता सरकार के भ्रष्टाचार और केंद्र की नीतियों का जिक्र करने के साथ ही ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान पर भी अपनी बात रखी। इसके बाद भाजपा की राज्य इकाई ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को घर-घर पहुंचाने की घोषणा की। इसके तहत महिलाओं को उपहार में सिंदूर दिया जाएगा। साथ ही, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पर्चे भी बांटे जाएंगे। 9 जून से इसकी शुरुआत होगी। इसी दिन नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार पीएम पद की शपथ ली थी। ऑपरेशन सिंदूर एक सैन्य अभियान था जिसमें देश के साथ ही दुनिया ने भारत का शौर्य देखा। भारत को अपनी क्षमता के प्रदर्शन का अवसर भी मिला। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत ने खुद को मजबूती के साथ पेश भी किया। पर सिंदूर से जुड़ी भावुकता को राजनीति के दंगल में खींच लाने का कोई मतलब नहीं है।

संपादकीय

गलती हुई है तो मान लेना बेहतर

कोई भी सरकार हो, कोई भी राजनीतिक दल हो, किसी भी राजनीतिक दल का नेता हो, उससे अपने राजनीतिक जीवन एक नहीं कई गलतियां होती है। ऐसा तो हो नहीं सकता कि किसी सरकार ने कोई गलत फैसला न किया हो, किसी सरकार से कोई गलती न हुई हो, ऐसा तो हो नही सकता कि किसी नेता ने कभी गलत फैसले न किए हो, कभी एक गलती न की हो। गलती सबसे होती है, काम करने वालों से गलती होती है। फैसला करने वालों से गलत फैसला होता है। कई गलत फैसले ऐसे होते हैं कि जिसकी खामियाजा भविष्य की पीढियों को भुगतना पड़ता है।

"सब मानते हैं कि आजादी के बाद पीएम जवाहर लाल नेहरू ने नए भारत के निर्माण के लिए बहुत कुछ किया है। इसीलिए उन्हें आधुनिक भारत का निर्माता तक कहा जाता है। उनके अच्छे काम की सब सराहना करते हैं, अच्छे काम किए हैं तो इसका मतलब यह तो नहीं हो सकता कि उनसे कभी कोई गलती नहीं हुई, उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की है। गलती तो उनसे भी हुई है। यह हो सकता है कि पहले कांग्रेस के बरसों तक शासन रहने के कारण पं. नेहरू की गलतियों की कोई चर्चा करने की हिम्मत न करता हो। इसलिए जब तक कांग्रेस का शासन रहा यही माना जाता रहा कि कांग्रेस से कोई गलती नही होती है, कांग्रेस कभी कोई गलती नहीं करती है। कांग्रेस के नेता कभी कुछ गलत नही करते हैं। कांग्रेस नेताओं से कभी कोई गलती नहीं होती है।

आज की तरह पहले सोशल मीडिया नहीं था, रेडियो और कुछ बड़े अखबार हुआ करते थे, तब मीडिया मैनेज करना आज की तरह बहुत मुश्किल नहीं होता था। आजादी से लेकर इंदिरा गांधी के समय तक कांग्रेस का दबदबा देश में था। सब कांग्रेस का गुणगान किया करते थे।कांग्रेस की आलोचना करने वाले बहुत कम थे,,काँग्रेस को आईना दिखाने वाले कम थे। उनकी बात नक्कारखाने में तूती की तरह थी। इसी वजह से तब के लोगों को ऐसा लगता था कि कांग्रेस से कोई गलती नहीं हुई है, कांग्रेस कोई गलती कर ही नहीं सकती है। आज राहुल गांधी भले मानते हों कि कांग्रेस से अतीत में कई गलतियां हुई है। लेकिन जब तक कांग्रेस का पूरे देश में एकछत्र राज था कांग्रेस का कोई नेता नहीं मानता था कि कांग्रेस से कभी कोई गलती हुई है।

कांग्रेस नेता तो आजादी के बाद के कई दशकों तक यही मानते थे, देश में जो भी महान काम हुए है, सब कांग्रेस ने किए हैं। महान काम करने वाली कांग्रेस से कोई गलती कैसे हो सकती थी। आज कांग्रेस की सत्ता न दिल्ली में है और न ही देश के ज्यादातर राज्यों में है। पहले की तरह उसका दबदबा नहीं रहा, मीडिया बहुत बड़ा हो गया है, सोशल मीडिया अलग है. सबको कहने, लिखने की पूरी आजादी है। कोई भी किसी नेता की गलती को बता सकता है,कोई भी किसी भी नेता को आईना दिखा सकता है। ऐसे समय में अतीत में की गई और दबा दी गई गलती को कोई भी सामने ला सकता है। कई बार लोग कह चुके है, बता चुके हैं, पं.जवाहर नेहरू से अपने समय में क्या क्या गलती हुई थी। इंदिरा गांधी से क्या क्या गलती हुई है। यह वह समय है जिन नेताओं की गलतियों की कभी देश में चर्चा नहीं होती थी,उन नेताओं की गलतियों की खूब चर्चा होती है। कई ऐसे विषय है, कई ऐसी गलतियां हैं जिनकी चर्चा देश मे गाहे ब गाहे होती रहती है।

ऐसा ही एक विषय है पीओके, ऐसी ही एक बड़ी गलती है पीओके। आज जब पाकिस्तान का आंतकवाद देश व दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है तो पीओके की चर्चा होना भी स्वाभाविक है। पीओके को पाकिस्तान ने आतंकवाद का अड्डा बना रखा है, वहां वह आतंकियों को प्रशिक्षण देता है और भारत आतंक फैलाने के लिए भेजता रहता है। पाकिस्तान भारत में आतंक फैलाने के लिए कभी भारत का हिस्सा रहे पीओके का इस्तेमाल करता है। माना जाता है कि जब भारत आजाद हुआ तो जम्मू कश्मीर एक राज्य था। वहां के राजा थे हरिसिंह। वह अपने राज्य को पाकिस्तान में शामिल नहीं करना चाहते थे। आजादी के दो माह बाद कबायलियों ने 22 अक्टूबर 1947 को जम्मू कश्मीर पर कब्जा करने के लिए हमला कर दिया और कश्मीर के कई शहरों में लूटपाट की, हत्याएं की।इस आक्रमण के घबराकर जम्मू कश्मीर के महाराजा हरिसिंह ने 26 अक्टूबर को अपनी रियासत को विलय भारत मे करने के लिए हस्ताक्षर कर दिए। इसके बाद श्रीनगर पहुंची भारत की सेना ने कबायलियों को खदेड़ना शुरू किया।इससे पहले भारत की सेना उनको पूरा खदेड़ पाती,तब के प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू इस मामले को लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ चले गए।

देश के कई इतिहासकारों का मानना है कि तत्कालीन गवर्नर जनरल लार्ड माउंटबेटन की सलाह पर उस समय के पीएम जवाहर लाल नेहरू कश्मीर के मसले को यूएन ले जाने का फैसला किया। तब के गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल पं. नेहरू के इस फैसले ने नाखुश थे, सरदार पटेल कश्मीर को भारत का आंतरिक मामला मानते थे, वह नहीं चाहते थे कि कश्मीर के मामले को किसी अंतराष्ट्रीय मंच पर उठाया जाए। सरदार पटेल चाहते थे पूरा कश्मीर हासिल किया जाए, उसके बाद युध्द विराम किया जाए। पं. नेहरू यूएन गए और युध्द विराम हो गया और आधा कश्मीर जो कबायलियों यानी पाकिस्तानियों के कब्जे में था वह उनके कब्जे में ही रह गया। सरदार पटेल युध्दविराम के निर्णय से बहुत निराश थे, वह इसे पं.नेहरू की रणनीतिक भूल मानते थे।

आज भी देश के बहुत सारे लोग पीओके को पं.जवाहर लाल नेहरू की भूल मानते हैं। पीएम मोदी ने हाल ही इसका जिक्र यह कहकर किया है कि हम पाकिस्तान की मदद करते रहे और वह हमारा खून बहाता रहा।1947 में मां भारती के तीन टुकड़े कर दिए गए। भारत पर पाकिस्तान सेना ने जब कबायलियों के भेष मे हमला किया था तब ही मार दिया गया होता तो 70 साल तक हम आतंक नहीं झेलते। तब सरदार पटेल की बात भी मान ली गई होती तो आज हम आतंक नहीं झेल रहे होते। पीएम मोदी ने साफ कर दिया है कि पाकिस्तान का आतंकवाद कोई प्राक्सी युध्द नहीं है।यह पाकिस्तान की जानुबूझकर अपनाई गई रणनीति है। यह तब पूरी तरह साफ हो जाता है जब आपरेशन सिंदूर के दौरान मारे गए आतंकियों को पाकिस्तान में राजकीय सम्मान दिया जाता है।आतंकवाद पाकिस्तान की युध्द रणनीति है तो उसे जवाब भी अब उसी तरह दिया जाएगा।

पीएम मोदी ने पीओके की याद दिलाकर एक तरह से देश को यह बता दिया है कि पीओके में आतंकवाद के लिए कांग्रेस दोषी है, पं. जवाहर लाल नेहरू दोषी है। यह सच भी है,इसलिए यह बात कांग्रेस के नेताओं को बुरी लगती है और वह कई तरह से आतंकवाद के कारण मारे जा रहे लोगों के लिए मोदी सरकार व पीएम मोदी को दोषी बताने का प्रयास करते हैं। आपरेशन सिंदूर को वह सरकार की बड़ी सफलता नहीं मानते हैं।वह सैन्य कार्रवाई के लिए सेना की तो तारीफ करते हैं लेकिन पीएम मोदी की तारीफ नहीं करते हैं।

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

ललित गर्ग

भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं।

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है।

सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफके अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियों रही है। आईएमएफके अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। जापान की उम्रदराज आबादी और लो बर्थ रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और व्यापार नीतियों ने जापान की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि भारत अब सिर्फ जनसंख्या में ही नहीं, अर्थव्यवस्था के मामले में भी दुनिया में सबसे आगे निकलने की रेस में है। ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ने से ये विकास दर बनी रहेगी। हालांकि, ग्लोबल अनिश्चितता और ट्रेड टेंशन की वजह से इसमें थोड़ा असर पड़ सकता है।

सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है।

इन आर्थिक उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने जापान को पीछे छोड़ चौथी अर्थ-व्यवस्था बन गयी है। भारत ने अनेक आर्थिक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। लेकिन भारत के सामने चुनौतियां भी नयी-नयी शक्लों में उभर रही है। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिज्राओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों एवं नीति नियामकों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा। करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहे।

भारत के अति समृद्धशालियों की संख्या समूचे विश्व में सर्वाधिक है। इन समृद्धशालियों से उम्मीद यह की जाती है कि देश में रहकर समृद्धि हासिल करने वाले समय आने पर देश को लौटाएंगे भी। तभी देश आर्थिक दृष्टि से दुनिया की महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्रता से गति कर सकेगा। सवाल यही है कि देश को लौटाने और फायदा देने का वक्त आता है तब धनाढ्यों में एकाएक विदेश में जाकर बसने की ललक कैसे और क्यों पैदा हो रही है? अपने देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने के समय इस तरह की पलायनवादी सोच का उभरना व्यक्तिगत स्वार्थ, सुविधा एवं संकीर्णता को दर्शाता है। दुनियाभर में धन और निवेश प्रवासन के रुझान को ट्रैक करने वाली कंपनी की सालाना रिपोर्ट में अति समृद्ध भारतीयों का अपना सब-कुछ समेट कर हमेशा के लिए भारत से जुदा हो जाने का अनुमान अनेक प्रश्न खड़े करता है, सरकार को इन प्रश्नों पर गौर करने की जरूरत है।

सदियों पहले भारत एक विकसित सभ्यता एवं सोने की चिड़िया रहा है। भारत हर दृष्टि से समृद्ध देश रहा है। अंग्रेजों की बेड़ियों में जकड़ने से पहले मध्यकालीन दौर में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी रहा। विदेशी आक्रांताओं ने देश को लूटा। इतिहास में झांकें, तो लग सकता है कि मौर्य साम्राज्य की तरह एक बार फिर भारत समृद्धि के शिखर पर आरोहण करते हुए नए आर्थिक सफर एवं दुनिया की बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के लिये साजो-सामान तैयार कर रहा है। मॉर्गन स्टेनली के विशेषज्ञों ने कुछ ही समय पहले कहा है कि अगले दस साल भारत के लिए कुछ वैसे ही तेज विकास का समय होगा, जैसे चीन ने 2007 से 2012 के बीच देखा। आज के भारत में राजनीतिक एकता और सैन्य सुरक्षा के साथ पूरे इलाके का एक आर्थिक तंत्र भी विकसित हो रहा है। आर्थिक समृद्धि का दौर शुरू हुआ है तो इसके बाधक तत्वों पर विचार करना ज्यादा जरूरी है।

आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई

पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर बेनकाब करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा गठित सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का पहला समूह विदेश दौरे पर रवाना हो गया।

पहलगाम हमले और भारत-पास्तिान सैनिक संघर्ष के बाद विदेशों में प्रतिनिधिमंडल भेजने की कार्रवाई को कूटनीतिक या राजनयिक पहल के रूप में रेखांकित किया जा सकता है। वास्तव में इसका उद्देश्य विश्व समुदाय को भारत की स्थिति से परिचित कराना, पाकिस्तान की प्रायोजित आतंकवाद की काली करतूत बताना और विश्व जनमत को अपने पक्ष में करना है। भारत इस पहल के जरिए आतंकवाद के मसले पर पूरी दुनिया को एकजुट करना चाहता है।

इस तरह के राजनयिक प्रयासों से पाकिस्तान पर वैश्विक दबाव बनाकर सीमा पार आतंकवाद को नियंत्रित किया जा सकता है। वैश्विक आतंकवाद ऐसी समस्या है जिसके विरुद्ध को एक देश लड़ाई नहीं लड़ सकता। लोगों को याद रखना चाहिए कि 11 सितम्बर, 2001 को जब अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर आतंकवादी हमला हुआ था तब राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने आतंकवाद के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी।

अमेरिका ने अलकायदा और ओसामा बिन लादेन को खत्म करने के लिए अफगानिस्तान पर हमला करके उसे तबाह कर दिया था। लेकिन क्षोभ इस बात होता है कि अमेरिका और पश्चिमी देश आतंकवाद के मुद्दे पर अलग-अलग नजरिया रखते हैं, जो उनके अपने राजनीतिक और आर्थिक हितों से प्रेरित हैं। जब अमेरिका और पश्चिमी देशों पर आतंकवादी हमले होते हैं तो उन्हें खत्म करने के लिए वे किसी भी सीमा तक चले जाते हैं, लेकिन जब गैर-पश्चिमी देशें पर आतंकवाद का कहर फूटता है तो खामोश हो जाते हैं।

भारत तो दशकों से सीमा पार आतंकवाद से पीड़ित है। अनेकों बार भारत ने पाकिस्तान के आतंकवाद में संलिप्त होने का पुख्ता प्रमाण भी दिया है, लेकिन विश्व समुदाय कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर सका है। पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद का केंद्र है। पूरी दुनिया जानती है। इसके बावजूद अमेरिका उसे आर्थिक मदद और व्यापारिक रिश्ते बनाए रखता है। याद रखना चाहिए कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में विश्व समुदाय का सहयोग बहुत महत्त्व रखता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के विदेश दौरे से अमेरिका और पश्चिमी देश आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में एकजुटता दिखाएंगे।

कोरोना से सरकार को अधिक सतर्कता बरतनी होगी

देश में कोविड-19 के 257 मामलों की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक ने स्थिति को लेकर बैठक की जिसमें राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, आपात चिकित्सा राहत प्रभाग, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद व केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञ भी शामिल थे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीक नजर रखे हुए है तथा सुनिश्चित कर रहा है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के उचित उपाय किए जाएं। एशिया में सिंगापुर, हांगकांग, चीन व थाईलैंड में इस दफा ओमिक्रोन के नये वेरिएंट जेएन1 व उसके सब-वेरिएंट एलएफ7 व एनबी1.8 जिम्मेदार बताया जा रहा है। 2023 में इसे पहली बार देखा गया था जिसे विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वेरिएंट ऑफ इंट्रेस्ट घोषित किया था जो दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पाया जा चुका है।

सिंगापुर में मरीजों के अस्पताल में भर्ती के मामलों में बीते हफ्ते से 30त्न ज्यादा मामले तो हांगकॉग में इक्यासी गंभीर मामले सामने आए हैं। हालांकि थाईलैंड व चीन ने मरीजों की संख्या का खुलासा नहीं किया है परंतु हाई अलर्ट जारी किया जा चुका है। बूस्टर डोज लेने की सलाह भी दी जा रही है। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज प्रिवेंशन ने अंदेशा जताया है कि कोविड की लहर तेजी से बढ़ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि नया वेरिएंट न तो बहुत खतरनाक है, न तेजी से फैल रहा है।

मगर गंभीर बीमारियों वाले मरीज व कमजोर लोगों को सतर्क रहने की जरूरत बताई जा रही है। इसके लक्षणों में खांसी, सिर दर्द, बुखार, आंखों में जलन, जुकाम, दस्त/उल्टियां, मांस-पेशियों में ऐंठन के साथ ही स्वाद या गंध न आना भी शामिल है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार कोविड-19 के चपेट में आकर 2020-21 के दौरान पांच लाख से ज्यादा मौत हुई थीं। हालांकि इस आंकड़े को लेकर संदेह रहा है क्योंकि अंदेशा है, संक्रमण ने इससे कहीं ज्यादा लोगों को मौत की नींद सुलाया था।

मगर जिस तेजी से इसके बढ़ने की खबरें आ रही हैं, उन्हें देखते हुए सरकार को अधिक सतर्कता बरतनी होगी। विशेषज्ञों को चेतावनी देने से ज्यादा जरूरी है, संक्रमण की चपेट में आ रहे देशों से आने वाले यात्रियों व सामान की सतर्कतापूर्वक जांच हो। उन्हें क्वेरंटाइन किया जाए। अपनी आबादी को देखते हुए हमें संक्रमण को लेकर चौकस रहना होगा। महामारी की बड़ी कीमत चुका चुके देश व देशवासियों को इस खतरे से आगाह करने में कोताही करना उचित नहीं कहा जा सकता।

आतंकवादियों का सफाया बहुत ही जरूरी

गिरीश पांडे

ऑपरेशन सिंदूर' के तहत जिस प्रकार भारत के डिफेंस सिस्टम के सामने चीन की मिसाइल और तुर्किए के ड्रोन बेहद बौने और फेल साबित हुए, ठीक वैसी ही स्थिति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी देखने को मिली।

भारत के इस अभियान के दौरान ट्रंप काफी सक्रिय दिखे और उन्होंने अपनी चौधराहट दिखाने के लिए 'मान न मान मैं तेरा मेहमान' की तर्ज पर जहां अपनी ओर से सबसे पहले सोशल मीडिया के जरिए भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की सूचना दी, वहीं एक कदम और आगे बढ़ते हुए उनका कहना था 'हमने भारत-पाक संघर्ष को रोकने में बहुत मदद की। मैंने दोनों देशों से कहा कि अगर आप संघर्ष रोकते हैं तो हम व्यापार करेंगे, नहीं तो कुछ नहीं।' और फिर अचानक कहा, 'ठीक है, हम रु कते हैं, और वे रुक गए।'

यह वक्तव्य था ट्रंप का जबकि यह सत्य से बिल्कुल परे था और ट्रंप द्वारा संघर्ष विराम का श्रेय लेने, व्यापार संबंधित धमकी एवं कश्मीर की मध्यस्थता से जुड़े बयान को भारतीय विदेश मंत्रालय ने पूरी तरह से खारिज कर दिया था। कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ तौर पर कह दिया है कि पाकिस्तान के साथ सिर्फ पाक अधिकृत कश्मीर और आतंकवाद के मुद्दे पर ही चर्चा होगी और न्यूक्लियर ब्लेकमेल बर्दाश्त नहीं होगा, वहीं पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए यह भी कहा है कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते। व्यापार और आंतकवाद एक साथ नहीं चल सकते।

बाद में ट्रंप ने अपने सुर बदलते हुए कहा, 'मैं यह नहीं कहना चाहता कि मैंने ही यह किया, लेकिन मैंने जरूर पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या सुलझाने में मदद की।' जबकि अमेरिका की छीछालेदर तो स्वयं पाकिस्तान ने उस समय कर दी थी जबट्रंप के संघर्ष विराम की घोषणा के तीन घंटे के भीतर ही पाकिस्तान ने चीन के उकसावे पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया और अमेरिका को वि समुदाय के समक्ष मुंह की खानी पड़ी। यहां यह उल्लेख करना भी जरूरी होगा कि पहलगाम में पाकिस्तान की इस घिनौनी हरकत के बावजूद उसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मिलने वाले कुल 2.3 बिलियन डॉलर कर्ज में भी अमेरिका की भूमिका अप्रत्यक्ष रूप से काफी महत्त्वपूर्ण रही है।

इसका कारण यह है कि अमेरिका आईएमएफ का सबसे बड़ा शेयरधारक (स्टेकहोल्डर) है, और उसके पास आईएमएफ के निर्णयों पर प्रभाव डालने की क्षमता है, जबकि भारत ने इसका पुरजोर विरोध किया था। असल में पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से जो रौद्र रूप अपनाया उसकी पाकिस्तान को कल्पना तक नहीं थी। भारतीय जल, थल और नभ, तीनों सेनाओं के रणबांकुरों ने युद्ध में जो पराक्रम दिखाया, उससे पाकिस्तान को काफी नुकसान हुआ। भारतीय हमले की जद में पाकिस्तान का परमाणु जखीरा भी आ गया जिस पर पाकिस्तान को नाज था और भारत को बार-बार गीदड़भभकी देता था। इससे घबराया पाकिस्तान अमेरिका की शरण में जाकर सीजफायर करवाने के लिए गिड़िगड़ाया और उसके बाद उसके सैन्य अभियान महानिदेशक ने भारत से संपर्क साधा।

चीन और तुर्किए ने भी पाकिस्तान की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने में सहयोग का आासन देकर उसके प्रति अपनी एकजुटता प्रदर्शित की, लेकिन चीन ने पाकिस्तान को हथियारों की सप्लाई किए जाने का खंडन किया, जबकि स्टॉकहोम इंटरनेशल पीस रिसर्च (सिपरी) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान ने 2020-24 तक चीन के हथियारों की खरीद का 81 प्रतिशत हासिल किया है। असल में चीन को अब अपने हथियारों की गुणवत्ता और उन्हें निर्यात करने में आने वाली परेशानी का पता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' से चीन भी निश्चित तौर पर आतंकित होगा क्योंकि पहले ही पूर्वी लद्दाख की घटना में भी उसने भारत की सैन्य शक्ति को देख लिया था और 4 साल से अधिक समय तक चले सैन्य गतिरोध के बाद उसे पीछे हटना पड़ा था।

जहां तक तुर्किए का संबंध है, तो यह वही तुर्किए है जहां फरवरी, 2023 में आए तीव्र भूकंप के बाद जिस तरीके से भारत की ओर से 'ऑपरेशन दोस्त' के तहत भारतीय सेना ने आपदा के 12 घंटे के भीतर राहत सामग्री के साथ अपने बचाव दल तैयार कर वहां भेजे थे। इसलिए हम इसे तुर्किए की एहसान फरामोशी की इंतिहा नहीं कहेंगे तो और क्या कहेंगे। फिलहाल, भारत ने तुर्किए की ग्राउंड हैंडलिंग फर्म सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है। देश के विभिन्न संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तुर्किए के साथ अपने अनुबंधों को समाप्त कर रहे हैं। गौरतलब है कि सेलेबी एविएशन दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और गोवा सहित नौ शहरों के हवाई अड्डों पर यात्री सुरक्षा, उड़ान संचालन, कार्गो और डाक सेवाओं के साथ-साथ वेयरहाउस सेवाओं का प्रबंधन प्रदान करती है।

फिलहाल, भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने औपचारिक रूप से 10 मई, 2025 को संघर्ष विराम पर परस्पर सहमति जता दी है। असल में यहां तक नौबत ही नहीं आती यदि पाकिस्तान में सुबुद्धि होती। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने जब स्पष्ट कर दिया था कि उसका मकसद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाना था न कि पाकिस्तान या उसकी जनता को, लेकिन पाक ने उसे अपने ऊपर हमला मान लिया।

प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार वे मानते हैं कि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन यह भी सच्चाई है कि यह युग आतंकवाद का भी नहीं है। इसलिए ऐसे आतंकवादियों का सफाया करना बहुत जरूरी है। अब देखना होगा कि वि विशेषकर संयुक्त राष्ट्र कहां तक इस पर अमल करता है। अभी भारत संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 1267 के अनुपालन के लिए सुरक्षा परिषद की समिति की निगरानी टीम और अन्य भागीदार देशों के साथ बातचीत कर रहा है। इसका उद्देश्य आधिकारिक तौर पर 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' को आतंकी गुट के रूप में सूचीबद्ध कराना और इस गुट को पाकिस्तान से मिल रहे समर्थन से वि समुदाय को परिचित कराना है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

पाइप लाइन बिछाने के बाद रोड संधारण नहीं होने पर बिफरी महापौर

रिसाली। शिव पारा स्टेशन मरोदा में पाइप लाइन को भूमिगत करने के बाद सड़क मरम्मत नहीं होने पर रिसाली महापौर शशि सिन्हा नाराजगी जाहिर की। उन्होंने ठेकेदार को सड़क मरम्मत कार्य करने के निर्देश दिए है। मॉर्निंग विजिट के तहत महापौर शशि सिन्हा सफाई व्यवस्था का भी वार्ड 17 पहुंचकर जायजा ली। महापौर शशि सिन्हा सुबह 7:30 बजे शिव पारा स्टेशन मरोदा पहुंची। महापौर सबसे पहले सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए नागरिकों से मुलाकात की। सफाई कर्मी की उपलब्धता और डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की समीक्षा करते हुए उन्होंने नागरिकों से बातचीत की। इस दौरान नागरिकों और क्षेत्रीय पार्षद गजेन्द्री कोठारी ने भूमिगत पाइप लाइन विस्तारीकरण कार्य में सड़क समतलीकरण नहीं होने की बात को प्रमुखता से रखा। महापौर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य करने वाले एजेंसी को तलब कर तत्काल सड़क ठीक कराए।

फिल्टर प्लांट में चल रहे विद्युत मेंटेनेंस कार्य का महापौर बाघमार ने किया निरीक्षण

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नाका स्थित 42 एमएलडी फिल्टर प्लांट में शहर के टंकियों में पानी भरने सुचारू रूप प्रवाहित होने वाले बिजली व्यवस्था में बरसात के दिनों में नमी के कारण ट्रांसफार्मर में आने वाले तकनीकी खराबी को रोकने जलगृह विभाग के माध्यम से हो रहे सब स्टेशन संधारण का कार्य व 24 एमएलडी प्लांट के मोटर में आई खराबी के चल रहे मरम्मत कार्य का महापौर अलका बाघमार ने जल कार्य विभाग प्रभारी लीना दिनेश देवांगन के साथ फिल्टर प्लांट पहुंचकर औचक निरीक्षण किया ईस दौरान विद्युत विभाग प्रभारी ज्ञानेश्वर ताम्रकार भी मौजूद थे मौके पर पहुंची महापौर बाघमार ने सबसे पहले आज विद्युत मेंटेनेंस के लिए 42 एमएलडी पानी सप्लाई में शटडाउन लेकर किए जा रहे कार्य की जानकारी ली स्थल पर मौजूद सब इंजिनियर मोहित मरकाम को कार्य को लेकर आवश्यक निर्देश दिया।

विधायक रिकेश सेन ने दूर की दुर्ग के कुलियों की समस्या, 23 कुलियों को मिला नया एंड्रॉयड फोन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा से मां वैष्णोदेवी दर्शन के लिए रवाना हो रहे जत्थे का दुर्ग स्टेशन में अभिनंदन करने पहुंचे विधायक रिकेश सेन को कुलियों ने अपनी व्यथा सुनाई। कुलियों ने बताया कि उनके पास पास की-पेड फोन है। जिनके पास एन्ड्राइड है वो पुराने समय के 3जी सेट हैं। समस्या सुनने के बाद रिकेश ने तत्काल समाधान किया और जवाहर मार्केट के व्यापारियों के सहयोग से 23 कुलियों को एंड्रॉयड 5 जी फोन उपलब्ध कराए।

दरअसल जब विधायक रिकेश सेन दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचे तो दुर्ग स्टेशन की एकमात्र महिला कुली ने विधायक रिकेश सेन से बताया कि यहां वर्तमान में कुल कुलियों की संख्या 23 है। इन सभी का परिवार अपने दादा-पुरखों के समय से दुर्ग स्टेशन में निर्धारित दर पर यात्रियों की सेवा करता आ रहा है।

न तो उन्हें पीएफ-पेंशन की सुविधा मिलती है और न ही चिकित्सा के लिए ही केंद्र सरकार से कोई व्यवस्था है। विधायक रिकेश सेन समस्या सुन ही रहे थे तभी लगभग सभी कुली वहां पहुंच गए। कुलियों ने उन्हें बताया कि 5 जी स्मार्टफोन न होने की वजह से वो सभी ट्रेन की लोकेशन और रनिंग स्टेटस नहीं देख पाते। इससे ट्रेन की अपडेट पता न होने से उन सभी को या तो खाली बैठे घंटों ट्रेन का इंतजार करना पड़ता है या फिर कभी नाश्ता खाना करते समय ट्रेन मिस हो जाती है। कुलियों की इस मांग पर विधायक रिकेश सेन ने तत्काल मौके से ही जवाहर नगर मार्केट व्यापारी संघ को फोन लगा कर उनसे जवाहर मार्केट के मार्डनाइजेशन के अपडेट लिए और कुलियों के लिए 5जी एंड्रॉयड मोबाइल का जनसहयोग मांगा नतीजतन मार्केट व्यापारियों ने आधा घंटा के भीतर 23 मोबाइल फोन दुर्ग स्टेशन भिजवाया। विधायक रिकेश सेन के हाथों नये फोन पा कर सभी कुलियों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने कहा कि ट्रेन के अपडेट स्टेटस वो अब देख सकेंगे जिससे काम में उन्हें काफी सहुलियत होगी। महिला कुली ने कहा विधायक भैया आपने अभी अभी दुर्ग के वकीलों की वर्षों पुरानी मांग एक घंटे में पूरी कर दी, हमें आपसे बड़ी उम्मीद है।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने सभी कुलियों के वर्षों से यात्रियों की सेवा के लिए उनका अभिवादन करते हुए उन्हें वास्तविक श्रम की प्रतिमूर्ति बताते हुए कहा कि कुलियों के लिए अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए वो केंद्र सरकार को पत्र लिखेंगे। साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि जल्द ही सभी कुलियों का दुर्घटना बीमा और निजी अस्पतालों में मात्र 40 प्रतिशत दर पर ईलाज के लिए वो पहल करेंगे। तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कुलियों ने वैशाली नगर विधायक का आभार व्यक्त किया। दुर्ग स्टेशन पर प्लेटफार्म क्रमांक 2 पर विधायक रिकेश सेन ने मां वैष्णोदेवी और स्वर्ण मंदिर दर्शन के लिए रवाना हो रहे जत्थे को गमछा पहना कर माता के जयकारों के साथ रवाना किया।

एसएमएस-3 में कर्म शिरोमणी पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में शिरोमणि पुरस्कार योजना के तहत उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य निष्पादन के लिए पाली एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसी के तहत स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में 28 मई 2025 को शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-3) त्रिभुवन बैठा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

समारोह में एसएमएस-3 विभाग के बृजनन्दन राम, दिलीप कुमार, लोचन कुमार ठाकुर, नारायण गौतम, विनय कुमार सिंह तथा गंगाधर को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया एवं उनके जीवन साथी हेतु प्रोत्साहन स्वरूप प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि ने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन हेतु बधाई देते हुए कहा कि स्टील मेल्टिंग शॉप-3 के हमारे समस्त कर्मचारियों ने सुरक्षित कार्यप्रणाली को अपनाते हुए उत्कृष्ट कार्य किया है। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं की कार्यक्षेत्र में उपलब्धियों, प्रमुख समस्याओं तथा सुझावों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की। शिरोमणि पुरस्कार समारोह में स्टील मेल्टिंग शॉप-3 के महाप्रबंधकगण पुष्पा एमब्रोस, डी एल कुमार, पी सतपथी, एस के मिश्रा एवं डी के वार्ष्णेय, उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अनुभाग प्रमुखों ने भी सभी पुरस्कार विजेताओं के कार्यशैली व सुरक्षा के प्रति जागरूकता की प्रशंसा की तथा उन्हें आगे भी श्रेष्ठ कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन मानव संसाधन अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, श्रीमती सोनू चैरसिया एवं एल सी गुप्ता ने किया।

जिले के स्काउट गाइड रोवर रेंजर पचमढी एडवेंचर के लिए रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन वित्तीय अनुदान से भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छ.ग.द्वारा राज्य स्तरीय पर्यावरण व्यक्तित्व विकास एवं आपदा प्रबंधन शिविर राज्य मुख्य आयुक्त डॉ सोमनाथ यादव के दिशानिर्देश में तथा जिला संघ दुर्ग व राज्य उपाध्यक्ष सुनीता संजय बोहरा, जिलाध्यक्ष अशोक देशमुख, जिला मुख्य आयुक्त जीत यादव, जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला कमिश्नर स्का. अरविंद मिश्रा के मार्गदर्शन में 28 मई को पचमढी एडवेंचर कैम्प हेतु जिले से स्काउट रोवर 9-गाइड रेंजर 9 एवं 2 प्रभारी कुल संख्या 20 रवानगी हुए। प्रभारी अनिल कुमार साहू दुर्ग पब्लिक स्कूल दुर्ग, सुश्री ऐश्वमीन बंजारे शा.उ.मा.वि. जुनवानी, हिमांशु, हर्ष कुमार देशमुख, ओमप्रकाश वर्मा, जतिन, युवाक साहू, सिद्धार्थ, रूपेन्द, करण साहू, प्रणम्य दुबे, डिम्पल यादव, तनिष्का साहू, वीणु चन्द्राकर, माया साहू, टुकेशवरी चौहान, रूचि विश्वकर्मा, एकता पार कर, टुकेशवरी, सुभी यादव आदि प्रतिभागी शिविर में सम्मिलित होने रवानगी हुए। जिला संगठन आयुक्त स्काउट बालक दास राऊत, जिला संगठन आयुक्त गाइड अमीता हरमुख , अमृत राव एवं प्रतिभागी के माता-पिता बच्चों को आशीर्वाद देने रेल्वे स्टेशन पर उपस्थित हुये ।

सब्जीमंडी का उन्नयन कार्य- विधायक यादव ने किया निरिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। पद्मनाभपुर स्थित सब्जीमंडी में जलभराव की समस्या से निजात दिलाने उन्नयन किया जा रहा है, बारिश का पानी न ठहरे इसके लिये पसरा की हाईट बढ़ाकर ड्रेनेज़ सिस्टम बनाया जा रहा है जिसका आज विधायक गजेन्द्र यादव ने निरिक्षण कर निर्माण कार्य से संबंधित एजेंसी से निर्माण से जुड़ी सभी जानकारियाँ लीं और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। मार्केट में आने वाले ग्राहकों के लिए व्यवस्थित पार्किंग और व्यापार को बढ़ाने 19 नई दुकाने भी बनेगी।

शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने कहा की शीतला सब्जी मंडी के व्यापारियों ने मार्केट में जलभराव की समस्या बताई थी, समस्या का निराकरण करने मार्केट का उन्नयन किया जा रहा है। यह विकास कार्य क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने और स्थानीय व्यापारियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। व्यापारियों ने बताया की

सब्जी मंडी में निकासी नाली नीचे होने के कारण बारिश का पानी भर जाता है, जलभराव की समस्या कई सालों से बनी हुई है जिसे कई बार जनप्रतिनिधियों को जानकारी दिए लेकिन कुछ नहीं हुआ। उन्होंने जब विधायक गजेन्द्र यादव को बारिश में मंडी में पानी भरने के कारण सब्जी को चबूतरे तक ले जाने की समस्या को बताये थे हमारी पीड़ा को समझने वाले पहले विधायक है।

स्वास्थ्य संवर्धन हेतु सेल-बीएसपी को मिलेगा 11वां ग्रीनटेक सीएसआर इंडिया अवार्ड 2025

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में सामुदायिक कल्याण के लिए उल्लेखनीय योगदान और प्रभावशाली पहलों के लिए सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र को 11वें ग्रीनटेक सीएसआर इंडिया अवार्ड 2025 से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है। यह सम्मान संयंत्र को 'प्रमोशन ऑफहेल्थकेयर' श्रेणी में प्रदान किया जाएगा।

यह राष्ट्रीय पुरस्कार आगामी सीएसआर समिट के दौरान 14 जून 2025 को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा। ग्रीनटेक सीएसआर अवार्ड्स के आयोजकों द्वारा संयंत्र के निदेशक प्रभारी को औपचारिक सूचना प्रेषित कर सूचित किया गया कि पुरस्कार समिति के जूरी सदस्यों ने संयंत्र की स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित सीएसआर पहलों का व्यापक मूल्यांकन करने के बाद इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चयन किया है। इन पहलों में निरंतरता, प्रभाव और व्यापकता जैसे मापदंडों पर संयंत्र का प्रदर्शन उल्लेखनीय पाया गया।

11वें ग्रीनटेक सीएसआर इंडिया अवार्ड 2025 के लिए आधिकारिक पुरस्कार घोषणा पत्र दिनांक 29 मई 2025 को कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार को सीएसआर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सौंपा गया। सीएसआर समिट 2025 के इस पुरस्कार समारोह में भारत सरकार एवं जन नीति क्षेत्र से कई विशिष्ट हस्तियों की उपस्थिति अपेक्षित है, जिनमें कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, सचिव, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय सुश्री दीप्ति गौड़ मुखर्जी, तथा राज्य मंत्री, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय हर्ष मल्होत्रा के सम्मिलित होने की संभावना है। इस सम्मान को प्राप्त करना सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की समावेशी विकास के प्रति सतत प्रतिबद्धता और अपने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) ढांचे के अंतर्गत आसपास के समुदायों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की उसकी अग्रणी भूमिका का राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाण है। यह उल्लेखनीय है कि सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र को वर्ष 2024 में 'इनोवेटिव वेस्ट मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी' श्रेणी में ग्रीनटेक पीसीडब्लूआर अवार्ड से भी सम्मानित किया गया था।

हाइटेक में स्टैग-हॉर्न कैलकुलस की सिंगल सीटिंग सर्जरी, दो दिन में दो मरीजों की हुई सर्जरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हाइटेक सुपरस्पेशालिटी हॉस्पिटल में पिछले दो दिनों में दो अलग-अलग मरीजों की स्टैग-हॉर्न कैलकुलस की सर्जरी की गई। स्टैग-हॉर्न कैलकुलस किडनी की उस पथरी को कहते हैं जो मूत्रमार्ग में संक्रमण के कारण बनता है। इसका आकार हिरण के सींग की तरह होता है। यह गुर्दे के श्रोणि और कैलीस में एक कास्ट बनाकर अपना विशिष्ट आकार प्राप्त करता है।

इसे सिंगल सिटिंग में निकालना काफी मुश्किल होता है। हाइटेक के यूरोलॉजिस्ट डॉ नवीन वैष्णव ने बताया कि इनमें से एक मरीज की आयु 46 तथा दूसरे की 56 थी। दोनों ही भिलाई के रहने वाले हैं और

काफी समय से तकलीफ में थे। शाखायुक्त पथरी किडनी में इस तरह फंसी हुई होती है कि उसे किसी और तरीके से निकाला जाना संभव नहीं होता। प्रत्येक शाखा के लिए किडनी में अलग-अलग पहुंच मार्ग बनाना होता है जहां से उसे तोड़कर बाहर निकाला जा सके। इनमें से प्रत्येक सर्जरी में लगभग दो से सवा दो घंटे का वक्त लगा। दोनों ही मरीज पूरी तरह स्वस्थ हैं और एक दिन बाद ही उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी।

डॉ वैष्णव ने बताया कि स्टैग-हॉर्न स्टोन की शाखाएँ गुर्दे की श्रोणि में बढ़ती हैं, जो कि कीप के आकार की संरचना है जो पेशाब को इकट्ठा करती है और इसे मूत्रवाहिनी से नीचे भेजती है। यदि श्रोणि या मूत्रवाहिनी अवरुद्ध है, तो गुर्दे में सूजन हो सकती है। यह कैलीस को ब्लॉक कर सकता है, जहां मूत्र संग्रह सबसे पहले शुरू होता है। यदि कैलीस सूज जाता है, तो आपको कैलीएक्टेसिस हो सकता है, जिसका इलाज न किए जाने पर किडनी फेलियर हो सकता है।

इसके लक्षणों की चर्चा करते हुए डॉ वैष्णव ने बताया कि पसलियों और कूल्हे के बीच में दर्द, मूत्र में रक्त (हेमट्यूरिया) है। इसके अलावा मूत्र में मवाद, बहुत थक जाना जैसे लक्षण हो सकते हैं। बार-बार मूत्र मार्ग संक्रमण से यह समस्या उत्पन्न हो सकती है, खासकर तब जब संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया यूरिया नामक एंजाइम का उत्पादन करते हैं। इनमें से एक रोगाणु प्रोटियस मिराबिलिस है. इसकी वजह से पेशाब का पीएच बढ़ जाता है तथा वह अलकलाइन हो जाता है. इसके कारण स्टैगहॉर्न कैलकुलस प्रकार की पथरी बनती है।

डॉ वैष्णव ने बताया कि अलग-अलग प्रकार के संक्रमणों से अलग-अलग तरह की पथरी बनती है। एक प्रकार के संक्रमण में पेशाब का पीएच कम हो जाता है तथा वह एसिडिक हो जाता है जिसके कारण एक अलग तरह की पथरी बनती है। पथरी के कारण और प्रकार के अनुसार ही उसका इलाज किया जाता है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

2 जून सृजन संवाद में शिरकत करेंगे 20 से ज्यादा रचनाकार

रायपुर। जन संस्कृति मंच (जसम) की रायपुर ईकाई द्वारा दो जून की शाम छह बजे स्थानीय वृंदावन हॉल में सृजन संवाद का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में 20 से ज्यादा रचनाकार अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे।

आयोजन में पुजाली पटले, नीलिमा मिश्रा, मधु सक्सेना, सनियारा खान, मुहम्मद मुसय्यब, दिलशाद सैफी, सुनीता शुक्ल, रूपेंद्र तिवारी, डॉ. संजू साहू पूनम, समीर दीवान, आफ़ाक़ अहमद, वसु गंधर्व, मौली चक्रवर्ती, सिरिल साइमन, इमरान अब्बास, अजय शुक्ल, आलिम नकवी, सुखनवर हुसैन रायपुरी, जावेद नदीम नागपुरी मुख्य रुप से अपनी भागीदारी दर्ज करेंगे। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के तौर पर मशहूर कथाकार जया जादवानी, कामिनी त्रिपाठी, दीपक सिंह के अलावा देश के नामचीन आलोचक सियाराम शर्मा विशेष रुप से मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रवि श्रीवास्तव और ख्यातिलब्ध शायर रजा हैदरी करेंगे जबकि कार्यक्रम का संचालन युवा शायर मीसम हैदरी द्वारा किया जाएगा। जन संस्कृति मंच के सचिव इंद्र कुमार राठौर ने इस महत्वपूर्ण आयोजन में सभी साहित्यिक एवं प्रबुद्धजनों से उपस्थिति का अनुरोध किया है।

खरीदारों को तय समय पर मिलना चाहिए घर : रेरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (सीजी रेरा) ने पंजीकृत प्रोजेक्ट्स की पंजीयन अवधि के विस्तार को लेकर एक अहम स्पष्टीकरण जारी किया है। रेरा ने कहा है कि पंजीयन अवधि में किया गया कोई भी विस्तार केवल निर्माण या विकास कार्यों को पूरा करने के उद्देश्य से होता है, न कि खरीदारों को फ्लैट या मकान सौंपने की वैधानिक समयसीमा को बढ़ाने के लिए।

रेरा के अनुसार, यदि किसी कारणवश प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं होता, तो अथॉरिटी आवश्यकतानुसार पंजीयन अवधि बढ़ा सकती है। लेकिन यह विस्तार डेवलपर और खरीदार के बीच हुए एग्रीमेंट फॉर सेल में तय पजेशन की तारीख को किसी भी प्रकार से प्रभावित नहीं करता। रेरा ने स्पष्ट किया कि एग्रीमेंट फॉर सेल में जो पजेशन की तिथि दर्ज होती है, वही कानूनी रूप से मान्य होती है। यदि डेवेलपर इस तय समयसीमा के बाद खरीदार को पजेशन देता है, तो उसे हर महीने की देरी के लिए निर्धारित दर पर मुआवजा देना होगा। इस स्पष्टीकरण से यह साफहो गया है कि पंजीयन अवधि का विस्तार किसी भी स्थिति में डेवेलपर को खरीदारों को मकान सौंपने में देरी करने का कानूनी अधिकार नहीं देता।

पार्षद व एमआईसी सदस्य ने नाली, पुलिया निर्माण का किया भूमिपूजन

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 4 के अंतर्गत पण्डित भगवती चरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 57 के क्षेत्र में अरविन्द नगर बस्ती में सतपथी चौक के समीप वार्ड पार्षद एवं एमआईसी सदस्य अमर गिदवानी ने 4 लाख रुपये की स्वीकृत लागत से संधारण मद राशि से गन्दे पानी के सुगम निकास के जनहित में जनसुविधा हेतु प्रबंधन के लिए नई नाली और पुलिया का निर्माण शीघ्र किये जाने श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर भूमिपूजन रहवासियों सहित जोन 4 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव, कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, सहायक अभियंता दीपक देवांगन की उपस्थिति में किया और कार्य स्वीकृति अनुरूप तत्काल प्रारम्भ करवाकर जनहित में शीघ्र सतत मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्ता सहित पूर्ण करने के निर्देश जोन 4 के सम्बंधित अधिकारियों को स्थल पर दिए।

देश में स्वच्छता के सारथी हैं प्रधानमंत्री मोदी : महापौर मीनल चौबे

अंतर्राष्ट्रीय मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर महापौर द्वारा 'रेड डॉट' अभियान का किया पोस्टर विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर निगम रायपुर ने बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर 'रेड डॉट' अभियान की शुरुआत की गई। महापौर मीनल चौबे ने अभियान का पोस्टर विमोचन कर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर निगम मुख्यालय के महात्मा गांधी सदन के सभा कक्ष में 'मासिक धर्म स्वच्छता एवं सेनेटरी अपशिष्ट का पृथक्करण के प्रति जागरुकता' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आयोजन में जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से सभी प्रतिभागी लाल रंग की साड़ी एवं सूट पहनकर आईं। रेड डॉट अभियान के अंतर्गत निगम द्वारा वर्ष भर विभिन्न स्वच्छता जागरुकता संबंधी गतिविधियां एवं आयोजन किए जाएंगे। महापौर ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि 'माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण हो रहा है। मोदी जी देश में स्वच्छता अभियान के सारथी हैं। आज स्वच्छता की जागरुकता जन-जन तक पहुंच रही है। एक दौर था जब महावारी के बारे में बात करने से हिचक होती थी लेकिन आज स्वच्छ भारत अभियान से सेनेटरी अपशिष्ट के निपटान पर भी बात हो रही है।' महापौर ने कार्यशाला में उपस्थित एमआईसी सदस्यों, पार्षदों, अधिकारियों, विशेषज्ञों, स्वच्छता दीदीयों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से अपील की कि वे सेनेटरी पैड के निपटान की जागरुकता जन-जन तक पहुंचाएं। ताकि रायपुर को सफाई व सुंदरता में अग्रणी बनाकर स्वच्छता रैंकिंग में अव्वल स्थान प्राप्त किया जा सके।

कार्यशाला में एमआईसी सदस्य (स्वास्थ्य) श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर ने कहा कि सेनेटरी अपशिष्ट को सामान्य कचरे से अलग रखें। पीले रंग के बैग या विशेष डिब्बों में इनका संग्रहण किया जाए। जब हम मासिक धर्म स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन को गंभीरता से लेंगे, तभी हम स्वस्थ, स्वच्छ और जागरूक समाज की ओर बढ़ पाएंगे।

कार्यशाला के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मोनिका पाठक ने कहा कि महावारी कोई अशुद्धि नहीं बल्कि एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसका स्वागत किया जाना चाहिए। महावारी के दौरान स्वच्छता के साथ, संतुलित व पौष्टिक आहार के साथ हल्के व्यायाम का ध्यान भी रखना चाहिए। कार्यशाला का संचालन निगम की स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही ने किया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य डॉ. अनामिका सिंह, सुमन अशोक पांडेय, सरिता आकाश दुबे, पार्षद रामहिन कुर्रे और प्रमिला बल्लाराम साहू भी उपस्थित थीं।

समस्याओं के त्वरित निराकरण होने से लोगों में सरकार के प्रति बढ़ा विश्वास-जायसवाल

अनेक विकास कार्यो की मिली सौगात, मोर गांव, मोर पानी डाक्यूमेंट्री फिल्म का किया विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले के प्रभारी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल बुधवार को सुशासन तिहार अंतर्गत विकासखंड भाटापारा के ग्राम पंचायत खोखली में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। अतिथियों के द्वारा भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी की छायाचित्र में पुष्प अर्पित शिविर का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर प्रभारी मंत्री जायसवाल ने अनेक विकास कार्यों की सौगात दी जिसमें ग्राम पंचायत खोखली में नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र भवन, पंचायत भवन, तालाब सौन्दर्यीकरण मनरेगा अभिसरण से, ग्राम पंचायत बोडतरा में गौरव पथ निर्माण, गाड़ाडीह में पंचायत भवन, सेमरिया के प्राथमिक शाला में आहाता निर्माण, मझगांव में प्राथमिक शाला भवन शामिल हैं। शिविर में विभिन्न योजनाओं के तहत 183 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

शिविर को सम्बोधित करते हुए जिले के प्रभारी मंत्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृव में हमारी सरकार डेढ़ साल में पिछले सरकार के पांच साल के कार्यकाल बराबर काम किया है। सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित होने वाले शिविर में लोगों की समस्या का त्वरित निराकरण एवं योजनाओं का लाभ मिलने से सरकार के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। उन्होंने पारदर्शी शासन व्यवस्था को रेखांकित करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन स्तर में आये सकारात्मक बदलाव को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना में पुन: पंजीयन हेतु जल्द पोर्टल शुरू होगा। उन्होंने इस दौरान कृषक उन्नति योजना के तहत धान बिक्री करने वाले किसान केजऊ राम पाल, परस राम वर्मा एवं वेदप्रकाश आडिल से राशि का उपयोग की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि धान की राशि का मकान बनाने, दुकान का विस्तार एवं अन्य घरेलु कार्यों में उपयोग किया है। कार्यक्रम को पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल,जिला अध्यक्ष आनंद यादव ने भी सम्बोधित किया।

कलेक्टर सोनी ने बताया कि खोखली क्लस्टर में 10 ग्राम पंचायत के लोग शामिल हुए। इस दौरान प्रभारी मंत्री जायसवाल ने जिला प्रशासन द्वारा मोर गांव, मोर पानी पर निर्मित वृत्त चित्र का विमोचन किया। इस वृत्त चित्र में जिले में मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत सोखता गड्ढा निर्माण, तालाबों की सफाई सहित पानी बचाने के प्रयास को दिखाया गया है। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पवन कुमार साहु, जिला पंचायत सदस्य ईशान वैष्णव, अमर मण्डावी, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता, सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल,सरपंच आशीष चतुर्वेदी सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव 6 जून से

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 6, 7 एवं 8 जून को कृषि महाविद्यालय परिसर रायपुर में ''फलों के राजा'' आम के राष्ट्रीय महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय आम महोत्सव में आम की 200 से अधिक किस्मों एवं आम से बने 56 व्यंजनों का प्रदर्शन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में आम की विभिन्न किस्मों की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है जिसमें छत्तीसगढ़ एवं देश के विभिन्न राज्यों के आम उत्पादक शामिल होंगे।

महोत्सव के दौरान आम से बने विभिन्न व्यंजनों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित है। आम की सजावट प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है जिसमें विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी, महिलाएं तथा अन्य सामान्यजन भी पंजीयन कर भाग ले सकते है। इस महोत्सव में पंजीयन एवं प्रवेश पूर्णतया नि:शुल्क है।राष्ट्रीय आम महोत्सव में संस्थागत एवं व्यक्तिगत प्रतियोगी भी सहभागी हो सकते हैं। आयोजन के प्रथम दिवस 6 जून को प्रात: 9 बजे से 12 बजे तक प्रविष्टियों का पंजीयन किया जाएगा। इसके पश्चात सामान्यजनों के लिए प्रदर्शनी अवलोकनार्थ तीनों दिन साय: 9 बजे तक खुली रहेगी। प्रदर्शनी में आम की विभिन्न किस्मों के फल, आम के विभिन्न उत्पाद एवं आम के पौधे भी विक्रय के लिए उपलब्ध रहेंगे। द्वितीय दिवस 7 जून को आम उगाने वाले कृषकों एवं जिज्ञासुओं के लिए 12 बजे से 4 बजे तक तकनीकी मार्गदर्शन एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ में उच्च गुणवत्ता के आम की विभिन्न किस्मों का उत्पादन, आम के विभिन्न उत्पाद एवं उनके विपणन के साथ ही आम उत्पादन हेतु छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं की भी जानकारी प्रदान की जायेगी, जिससे नयी पीढ़ी के लोग आम उत्पादन की ओर आकृष्ट हो सकें। आम उत्पादन को पर्यावरण के संरक्षण के साथ एक स्वास्थ्यवर्धक व्यवसाय के रूप में अपनाने की जानकारी आम लोगों को प्रदान की जा जाएगी। तृतीय दिवस 8 जून को आम उत्पादक कृषकों एवं उद्यामियों की सफलता की कहानी उन्हीं की जुबानी 12 से 4 बजे तक आयोजित होगा।

राष्ट्रीय आम महोत्सव के अंतिम दिन प्रदर्शनी के अवलोकन के साथ ही प्रतिभागियों के लिए पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन होगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय फल ''आम'' जो कि आम जनता का प्रिय फल है उसकी समस्त सामान्य एवं खास किस्मों, विशिष्ट उत्पादों एवं भविष्य में अधिक उत्पादन के लिए रोजगार के साधनों की जानकारी नागरिकों, महिलाओं, विद्यार्थियों, नव उद्यमियों एवं कृषकों को प्रदान करना है।

स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने क्रिटिकल केयर यूनिट के प्रस्तावित स्थल का किया निरीक्षण

रायपुर। प्रदेश के स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने आज पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सालय एवं इससे संबध्द डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के अंतर्गत एल टू ट्रामा केयर सेंटर, 50 बेड के क्रिटिकल केयर यूनिट तथा इंटर्न हॉस्टल के प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण किया तथा इन सभी के अद्यतन स्थितियों के संबंध में अस्पताल के अधिकारियों से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उनके साथ आयुक्त चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी, अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर एवं सहायक अधीक्षक डॉ. अनिल बघेल भी मौजूद रहे। स्वास्थ्य सचिव कटारिया ने निरीक्षण के दौरान कोविड -19 केस की संभावित स्थितियों को लेकर तैयारियों की समीक्षा की। इसके साथ ही संभावित कोविड मरीजों की जाँच के लिए बनाये गये ओपीडी, आईसोलेटेड वार्ड एवं उपचार व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अधिष्ठाता कार्यालय में आयोजित मीटिंग में उन्होंने अस्पताल तथा चिकित्सा महाविद्यालय की भावी कार्ययोजना तथा 25 मई को अस्पताल परिसर में घटित घटना के संबंध में ड्यूटी में मौजूद डॉक्टरों से जानकारी ली। स्वास्थ्य सचिव ने निर्देश दिया कि चिकित्सालय में आने वाले सभी मरीजों का गंभीरता से उपचार किया जाए।

केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 की आइरा ने इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड में हासिल किया पहला रैंक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व के सबसे बड़े ओलंपियाड साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल ओलंपियाड परीक्षा 2024 - 25 में रायपुर के तीन छात्रों ने इंटरनेशनल रैंक प्राप्त किया। केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 (जूनियर विंग) की आइरा फातिमा केपी ने इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड में पहला रैंक प्राप्त करते हुए इंटरनेशनल गोल्ड मैडल और प्रमाण पत्र प्राप्त किया। वही दूसरी तरफ दिल्ली पब्लिक स्कूल के हर्षिल बंसीजा ने भी इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलिंपियाड में दूसरी रैंक प्राप्त कर इंटरनेशनल सिल्वर मैडल और प्रमाण पत्र हासिल किया और दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्रथम सांखला ने इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड में इंटरनेशनल ब्रोंज मैडल और प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए तीसरी रैंक अर्जित किया। इस वर्ष के एसओएफ ओलंपियाड में 72 देशों के लगभग लाखों छात्रों ने भाग लिया, जिसमें रायपुर के 55600 से अधिक छात्र शामिल थे। दिल्ली पब्लिक स्कूल, कृष्णा किड्स अवंति विहार सहित रायपुर के प्रसिद्ध स्कूल प्रतिभागियों में शामिल थे।

साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) ने दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 2024-25 ओलंपियाड परीक्षाओं के टॉपर छात्रों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के 750 से अधिक छात्र और शिक्षक मौजूद थे। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जे.के महेश्वरी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस वर्ष 222 छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। इंटरनैशनल रैंक-1 पर आने वाले 74 छात्रों को 50,000 रुपये और गोल्ड मेडल, इंटरनैशनल रैंक-2 के

विजेताओं को 25,000 रुपये और सिल्वर मेडल, जबकि इंटरनैशनल रैंक-3 के छात्रों को 10,000 रुपये और ब्रॉन्ज मेडल प्रदान किए गए। इस के साथ साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन ने शिक्षकों को भी सम्मानित किया।

साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक महाबीर सिंह ने बताया कि 2024-25 की ओलंपियाड परीक्षा में 72 देशों के 4000 शहरों की 96,499 से अधिक स्कूलों के लाखों छात्रों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि एसओएफ के पिछले 27 वर्षों से बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने का कार्य कर रहा है। ओलंपियाड में शामिल होने वाले छात्रों को उनकी योग्यता के अनुसार अंतरराष्ट्रीय, राज्य और स्कूल स्तर पर रैंक दी जाती है, जिससे वे अपनी क्षमताओं और सुधार की संभावनाओं को समझ सकें। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला, और डॉ. सतीश आर्य, डीन, सीबीएलयू , भिवानी हरियाणा, भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

देवी अहिल्या बाई की जयंती पर सफाई मित्रों व महिला कर्मचारियों का सम्मान

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में सभी 10 जोनों के माध्यम से देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती दिनांक 31 मई 2025 के अवसर पर विविध आयोजन रखे जा रहे हैं। इस क्रम में नगर निगम जोन 8 कार्यालय में नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, जोन 8 अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, वीर सावरकर नगर वार्ड क्रमांक 1 के पार्षद सन्दीप साहू, पंडित जवाहरलाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद भगतराम हरवंश, जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल, महाराष्ट्र मंडल रायपुर की पदाधिकारी श्रीमती विशाखा तोपखानेवाले की उपस्थिति में देवी अहिल्या बाई होल्कर की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग के 7 सफाई मित्र कर्मचारियों को श्रीफल शॉल प्रदत्त कर सम्मानित किया गया।

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया औचक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने महासमुंद जिले के निर्माणाधीन नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेडिकल कॉलेज के नवीन भवन निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव अमित कटारिया, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा शिखा राजपूत भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने भवन निर्माण में तेजी लाने और गुणवत्ता बनाए रखने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने दिसंबर 2025 तक सभी सिविल वर्क पूरे करने के निर्देश दिए। समय सीमा में कार्य पूर्ण नहीं होने पर नियमानुसार पेनाल्टी शुल्क लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी को निर्देशित करते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा के निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान अधिकारियों ने मंत्री को कॉलेज के निर्माण की वर्तमान स्थिति, कार्य प्रगति, भविष्य की योजना और संभावित समय सीमा की विस्तृत जानकारी दी। मंत्री ने अधिकारियों की टीम से यह सुनिश्चित करने कहा कि निर्माण कार्य समयसीमा के भीतर पूरा हो।

उल्लेखनीय है कि निर्माणाधीन नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय 89.19 एकड़ में 325 करोड़ की अनुमोदित लागत से तैयार हो रहा है। महासमुंद में 125 सीटर मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति मिली है। कॉलेज भवन का निर्माण कार्य दिसम्बर 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

कान्स 2025 के रेड कार्पेट पर आलिया भट्ट ने लूटी महफिल, शीयर नेट गाउन में दिखीं बेहद खूबसूरत

बॉलीवुड की टैलेंटेड और स्टाइलिश अदाकारा आलिया भट्ट एक बार फिर अपने लुक से फैंस का दिल जीत रही हैं। इस बार मौका था प्रतिष्ठित कान फिल्म महोत्सव 2025 का, जहां आलिया भट्ट ने अपने ग्लैमरस लुक से सबका ध्यान खींच लिया।

एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपनी नई तस्वीर शेयर की है जिसमें वह शीयर नेट गाउन में नजर आ रही हैं। यह आउटफिट गुच्ची का है और आलिया का यह लुक उन्होंने लोरियल पेरिस के साथ एक प्रमोशनल अपीयरेंस के दौरान कैरी किया। तस्वीर में आलिया का सटल मेकअप, स्मोकी आईज और सॉफ्ट वेवी हेयरस्टाइल उनके लुक को और भी ग्रेसफुल बना रहा है। आलिया ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा- में खुशनुमा, धूप भरा दिन कान्स2025।

इस पोस्ट के नीचे फैशन इंडस्ट्री और बॉलीवुड के कई बड़े नामों ने आलिया की तारीफ की। डिज़ाइनर मनीष मल्होत्रा ने दिल वाले इमोजी के साथ रिएक्ट किया, वहीं करण जौहर ने लिखा-अब तक का सबसे अच्छा लुक।

आलिया का यह रेड कार्पेट लुक ना सिर्फ फैशन लवर्स को इंप्रेस कर रहा है बल्कि यह भी दिखाता है कि वह हर मौके पर एक्सपेरिमेंट करने से नहीं कतरातीं। इस लुक में उनका कॉन्फिडेंस और एलिगेंस साफ झलक रहा है। कुछ ही घंटों में इस पोस्ट को 17 लाख से भी ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। फैंस और फॉलोअर्स लगातार आलिया के इस लुक पर कमेंट्स कर रहे हैं और उन्हें रानी और गॉर्जियस क्वीन जैसे टाइटल्स दे रहे हैं।

यह पहली बार नहीं है जब आलिया ने इंटरनेशनल रेड कार्पेट पर अपने लुक से चर्चा बटोरी हो। इससे पहले भी मेट गाला और अन्य इंटरनेशनल इवेंट्स में उनका फैशन स्टाइल सभी को पसंद आया है। कान्स 2025 में भी उनका यह लुक उन्हें ग्लोबल फैशन आइकन के रूप में स्थापित करता है। आलिया भट्ट का यह लुक फैशन लवर्स के लिए किसी इंस्पिरेशन से कम नहीं है।

अनुज शर्मा ने लॉन्च किया छॉलीवुड मूवी 'प्रेम रोग' का पोस्टर

संजय जैन की पहली निर्देशित फिल्म में चमकेगी स्टार कास्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ी सिनेमा प्रेमियों के लिए बड़ी खबर! छॉलीवुड के चर्चित खलनायक और परमानेंट इंस्पेक्टर की पहचान बना चुके संजय जैन अब डायरेक्टर की कुर्सी संभालने जा रहे हैं। उनकी डेब्यू डायरेक्शनल फिल्म प्रेम रोग का भव्य पोस्टर लॉन्च रायपुर के WRS कॉलोनी मैदान में हुआ।

सीआईपीएल सीजन-2 के शुभारंभ अवसर पर फिल्म का पहला लुक छॉलीवुड सुपरस्टार और धरसींवा विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा ने लॉन्च किया। इस खास मौके पर मंच पर छॉलीवुड के कई सितारे शामिल हुए जिनमें मन कुरैशी, रजनीश झांजी, दीपक साहू, रवि साहू, पुष्पेन्द्र सिंह, रिंकू राजा, लक्षित झांजी, लाभांश तिवारी जैसे नाम शामिल हैं। फिल्म के हीरो अनिल सिन्हा (उर्फफुफु) और हीरोइन शालिनी विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे।

प्रेम रोगः संजय जैन की निर्देशन में पहली छलांग

फिल्म प्रेम रोग को संजय जैन ने खुद लिखा और डायरेक्ट किया है। वे अभी भी फिल्मों में अभिनय करते रहेंगे, लेकिन अब निर्देशन की पारी भी शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म छॉलीवुड में एक नई सोच, नया रंग और नए तेवर लेकर आएगी। फिल्म में एक बार फिर क्रांति दीक्षित और अंशुल अवस्थी जैसे खलनायक दमदार अवतार में नजर आएंगे। अनिल सिन्हा और शालिनी विश्वकर्मा की जोड़ी फिल्म में रोमांस और ड्रामा का नया ट्रैक लाएगी।

शूटिंग 8 जून से कांकेर की वादियों में

निर्माता आर्यन जैन, सह-निर्माता अरुण साहू और नवीन साहू हैं। फिल्म की शूटिंग 8 जून से कांकेर की खूबसूरत वादियों में शुरू होगी। परिकल्पना क्रांति दीक्षित की है जबकि पटकथा और संवाद क्रांति दीक्षित और स्व. गिरवरदास मानिकपुरी ने लिखे हैं। एसोसिएट डायरेक्टर सनी सिन्हा हैं और कैमरा संभालेंगे युवा डीओपी राज ठाकुर।

कहानी, कलाकार और संगीत-दर्शकों को मिलेगा फुल पैकेज

प्रेम रोग रोमांस, ड्रामा, सस्पेंस और एक्शन का ऐसा मिश्रण होगी जो छॉलीवुड के दर्शकों को नया अनुभव देगी। कहानी, किरदार और संगीत के दम पर यह फिल्म छत्तीसगढ़ी सिनेमा को एक नया मुकाम देने की तैयारी में है।

प्रेम रोग सिर्फएक फिल्म नहीं, छॉलीवुड के लिए एक नए युग की शुरुआत हो सकती है - जहां पुराने चेहरे नई भूमिकाओं में नई पहचान रचेंगे। संजय जैन का डायरेक्शन और छॉलीवुड की टॉप स्टार कास्ट इसे खास बनाने के लिए तैयार है।

संगीत व गायकी में भी स्टार पावर

फिल्म के संगीत को सजाया है सुनील सोनी ने, जो खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय के गोल्ड मेडलिस्ट और छॉलीवुड के संस्थापक निर्देशक सतीश जैन के प्रिय संगीतकार माने जाते हैं। गीतों को आवाज दी है छॉलीवुड के लोकप्रिय गायक सुनील सोनी, नितिन दुबे, अनुराग शर्मा, अनुपमा मिश्रा और कंचन जोशी ने।

कनिका मान ने किया खुलासा, आखिर क्यों पंजाबी इंडस्ट्री में कर रही कमबैक?

मशहूर एक्ट्रेस कनिका मान अपनी नई फिल्म जॉम्बीलैंड के साथ पंजाबी इंडस्ट्री में धमाकेदार वापसी करने वाली हैं। उनकी नई फिल्म दर्शकों के बीच काफी चर्चा में है। कनिका ने अपनी फिल्म जॉम्बीलैंड के बारे में खुलकर बात की और बताया कि यह फिल्म एक जॉम्बी के प्रलय पर आधारित है। इस फिल्म में कॉमेडी, हॉरर, एक्शन और रोमांस का तड़का है।

कनिका ने कहा, यह फिल्म जॉम्बी की दुनिया पर बनी एक मजेदार कहानी है जिसमें कॉमेडी, हॉरर, एक्शन और रोमांस, सब कुछ है। इसमें अजीब लेकिन दिलचस्प किरदार हैं। दर्शकों की अपनी-अपनी पसंद होती है। किसी को डरावनी फिल्में पसंद हैं, तो किसी को कॉमेडी वाली फिल्में अच्छी लगती हैं, या फिर किसी को प्यार भरी लव स्टोरी वाली फिल्में भाती हैं। इस फिल्म में हर तरह के दर्शकों के लिए कुछ न कुछ है। अलग-अलग तरह की चीजें इसमें देखने को मिलेंगी। इसे देखना मजेदार रहेगा।

अपने किरदार के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए एक शानदार अनुभव रहा। भले ही मुझे जॉम्बी वाला कोई खास किरदार नहीं करना पड़ा। इसमें मेरा किरदार कोको नाम की लड़की का है। मैंने पूरी कोशिश की है कि डायरेक्टर की सोच के मुताबिक इस किरदार को निभाऊं। इस फिल्म की स्क्रिप्ट और टीम की मेहनत ने मुझे इस प्रोजेक्ट की ओर खींचा। यह मेरी पहली पंजाबी फिल्म है, जिसमें मैं लीड रोल में हूं। अच्छी कहानी के साथ पंजाबी इंडस्ट्री में लौटकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मुझे सच में उम्मीद है कि दर्शकों को यह फिल्म उतनी ही पसंद आएगी, जितना मजा हमें इसे बनाने में आया।

इस फिल्म में बिन्नू ढिल्लों, अंगीरा धर, धनवीर सिंह और जस्सी ढिल्लों भी अहम किरदार में नजर आएंगे। जॉम्बीलैंड को भारत की पहली पंजाबी जॉम्बी कॉमेडी फिल्म के रूप में देखा जा रहा है। इस फिल्म की कहानी और निर्देशन की जिम्मेदारी थापर ने उठाई है। यह फिल्म पांच भाषाओं में रिलीज होगी, जिसमें पंजाबी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम शामिल हैं। जॉम्बीलैंड 13 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म मां का एक और नया पोस्टर हुआ जारी, गाड़ी में बंद काजोल और उनकी ऑनस्क्रीन बेटी

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल फिल्म मां को लेकर खूब चर्चाओं में हैं। इस कड़ी में उन्होंने फिल्म का एक और पोस्टर इंस्टाग्राम पर जारी कर दिया है। पोस्टर काफी खौफनाक है। पोस्टर में काजोल और उनकी ऑनस्क्रीन बेटी एक कार के अंदर बैठी नजर आ रही हैं। दोनों के चेहरों पर डर और खौफ साफ देखने को मिल रहा है। कार के आगे के शीशे का कांच टूटा पड़ा है और उस पर कई सारे दानव के हाथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर पर लाल रंग में रक्षक, भक्षक और मां लिखा हुआ है।

इस पोस्टर को जारी करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखा, पहिए घूम रहे हैं, लेकिन जड़ें पकड़ बना रही हैं। ट्रेलर 31 मई को आएगा। उनकी यह फिल्म 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। पहिए घूम रहे हैं का मतलब है कि कहानी आगे बढ़ रही है और जड़ें पकड़ बना रही हैं का मतलब है कि कहानी गहराई से जुड़ रही है।

इससे पहले काजोल ने फिल्म का एक डरावना पोस्टर शेयर किया था। इस पोस्टर में काजोल और एक शैतान नजर आया, जिसकी लाल आंखें चमक रही हैं और शरीर बेहद डरावना है। दोनों एक-दूसरे पर चिल्लाते हुए नजर आ रहे थे। बैकग्राउंड में आकाशीय बिजली चमकती नजर आई। कुल मिलाकर पोस्टर काफी डरावना था। पोस्टर में दमदार ऑडियो सुनाई दिया। यह ऑडियो काफी जोशीला है। ऐसा लगता है काजोल शैतान से लड़ने को पूरी तरह तैयार हैं।

फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है। वह छोरी और छोरी 2 जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। फिल्म मां को अजय देवगन और ज्योति देशपांडे प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में काजोल के अलावा इंद्रनील सेनगुप्ता, रोनित रॉय और जितिन गुलाटी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह एक महिला की कहानी है, जो अपनी बेटी को बुरी ताकतों से बचाने के लिए किसी भी हद तक जाती है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो काजोल की झोली में एक्शन थ्रिलर फिल्म महारागनी: क्वीन ऑफ क्वींस है, जिसका निर्देशन चरण तेज उप्पलपति ने किया है। इस फिल्म में काजोल के साथ प्रभु देवा भी नजर आएंगे।

ब्लैक फिटेड टॉप और डेनिम जींस में मोनालिसा ने ढाया कहर, सोशल मीडिया पर वायरल हुई तस्वीरें

भोजपुरी स्टार मोनालिसा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वो सिर्फ बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि स्टाइल आइकन भी हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो ब्लैक फिटेड टॉप और डेनिम जींस में नजर आ रही हैं। उनका यह कैजुअल लेकिन गॉर्जियस लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है।

मोनालिसा ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, खुशियाँ घर पर ही बनती हैं। इसे हर दिन बनाएँ । इस कैप्शन के साथ उनकी स्माइल और आत्मविश्वास भरी अदाएं इंटरनेट पर धूम मचा रही हैं। तस्वीरों में वह बालों को साइड से संभालती नजर आ रही हैं और उनका नेचुरल एक्सप्रेशन फैंस को इंप्रेस कर रहा है।

मोनालिसा के इस लुक पर फैंस का जबरदस्त रिएक्शन देखने को मिल रहा है। किसी ने उन्हें काला सौंदर्य कहा तो किसी ने खूबसूरत और बहुत खूब जैसे कमेंट्स किए हैं। कुछ ही घंटों में उनकी इस पोस्ट पर हजारों लाइक्स और सैकड़ों कमेंट्स आ चुके हैं।

मोनालिसा की यह तस्वीरें उनके फैशन सेंस की मिसाल हैं। ब्लैक टॉप के यूनिक बटन स्टाइल और हाई वेस्ट जींस ने उनके लुक को और भी ट्रेंडी बना दिया है। फैंस न सिर्फ उनके लुक्स की तारीफ कर रहे हैं, बल्कि उनकी पॉजिटिव वाइब्स और कैप्शन को भी खूब पसंद कर रहे हैं। मोनालिसा की ये तस्वीरें एक बार फिर यह साबित करती हैं कि वो हर लुक को पूरे कॉन्फिडेंस और ग्रेस के साथ कैरी करती हैं।

थुलथुली चर्बी को शरीर से हटाने के लिए इस तरह करें आयुर्वेद के 'अमृत' का सेवन

अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं तो एक्सरसाइज के साथ-साथ आपको कुछ आयुर्वेदिक चीजों को डाइट में शामिल करना चाहिए। ऐसा करने से आप नेचुरल तरीके से बिना किसी नुकसान के जिद्दी चर्बी को शरीर से हटा पाएंगे।

शरीर पर जमी जिद्दी चर्बी न केवल देखने में बुरी लगती है, बल्कि इससे आगे चलकर कई तरह की दिक्कतों का सामना भी करना पड़ता है। लोग वजन घटाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते रहते हैं। कई बार तो पतला होने के लिए एक टाइम खाना भी बंद कर देते हैं। लेकिन आपको बता दें कि खाने छोड़ना वजन घटाने का सही विकल्प नहीं है। वेट लॉस के लिए सही और समय पर डाइट लेने की जरूरत होती है। गिलोय का नाम तो आपने जरूर सुना होगा। इसे आयुर्वेद के 'अमृत' के नाम से जाना जाता है। ये न केवल आपको कई तरह की बीमारियों से बचाता है बल्कि थुलथुली चर्बी को हटाने में भी मदद करता है। इसे कई तरह से आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

गिलोय का काढ़ा

वजन कम करने के लिए आप गिलोय का काढ़ा पी सकते

हैं। इसके लिए आप गिलोय की पत्तियां और तना लें। उसे रातभर के लिए पानी में भिगो दें। सुबह इसे मसलकर उबाल लें। इसे तब तक बॉयल करें जब तक इसका पानी आधा न रह जाए। बाद में छानकर सुबह खाली पेट पिएं।

गिलोय पाउडर

आप चाहें तो गिलोय का पाउडर भी बनाकर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे सुबह खाली पेट पीना बेहद फायदेमंद होता है। सुबह उठने के बाद एक चम्मच गिलोय पाउडर लें। इसे हल्के गुनगुने पानी में डालकर पिएं। आप चाहें तो इसमें शहद भी मिला सकते हैं।

गिलोय का जूस

अगर आप वजन घटाने का कुछ आसान तरीका खोज रहे हैं तो गिलोय का जूस आपके लिए परफेक्ट रहेगा। इसे सुबह खाली पेट पानी लाभकारी होता है।

गिलोय की चाय

वजन घटाने के लिए सुबह आप गिलोय की चाय भी पी सकते हैं। इसे बनाने के लिए आपको गिलोय की पत्तियों और तुलसी की पत्तियों की जरूरत होगी। इन दोनों के साथ आप थोड़ी हल्दी और लौंग मिलाएं। पानी में सभी चीजों को डालकर चाय बनाएं। इन सभी तरीकों को अपनाने से न केवल आपका नेचुरल तरीके से वजन कम होगा बल्कि आपकी इम्यूनिटी भी बढ़ेगी।

जो भी खाते हैं वो पूरा दिन नहीं पचता तो एक चम्मच इन दानों को चबा लें, खाया पिया जल्दी पच जाएगा

आयुर्वेदिक और युनानी दवाओं के एक्सपर्ट ने बताया अगर आपका खाना जल्दी पचता नहीं है, जो भी खाते हैं वो मुंह में आता है तो आप सदियों पुराने इस असरदार देसी नुस्खे को अपना लें।

पेट हमारी बॉडी का इंजन है, अगर इंजन दुरुस्त रहेगा तो पूरी बॉडी दुरुस्त और चुस्त रहेगी। खराब डाइट,बिगड़ता लाइफ स्टाइल और तनाव हमारे पेट की सेहत को बिगाड़ रहा है। ज्यादातर लोग पाचन से जुड़ी समस्याओं जैसे गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग के परेशान रहते हैं। कुछ लोगों को कब्ज परेशान करता है तो कुछ लोगों का खाया पिया घंटों तक पेट में रखा रहता है। जिन लोगों का पाचन कमजोर होता है उनके लिए कुछ भी खाना और उसे पचाना मुश्किल होता है। कमजोर पाचन के लोगों का खाना जल्दी पचता नहीं, अगर खा लेते हैं तो घंटों खाने की डकार आती रहती है और गैस परेशान करती है।

पाचन से जुड़ी इन समस्याओं से अगर आप भी जूझ रहे हैं तो आप कुछ देसी नुस्खों को अपना लीजिए। आयुर्वेद में ऐसे कई देसी इलाज है जो पाचन का नेचुरल तरीके से इलाज करते हैं। आयुर्वेदिक और युनानी दवाओं के एक्सपर्ट डॉक्टर सलीम जैदी ने बताया अगर आपका खाना जल्दी पचता नहीं है, जो भी खाते हैं वो मुंह में आता है तो आप सदियों पुराने इस असरदार देसी नुस्खे को अपना लें।

किचन में मौजूद सौंफ और अजवाइन आपकी पाचन से जुड़ी समस्या को बेहतर तरीके से हल कर सकती है। ये छोटे-छोटे मसालों के दाने आपको गैस से निजात दिला सकते हैं, पाचन को दुरुस्त कर सकते हैं। खाने के बाद सौंफऔर अजवाइन का सेवन करने से खाना जल्दी पचता है और पेट में सड़ता नहीं है। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं

कि अजवाइन और सौंफका सेवन करने से कैसे पाचन दुरुस्त रहता है।

अजवाइन कैसे पाचन में सुधार करती है?

अजवाइन एक तीखे स्वाद वाला ऐसा मसाला है जिसके छोटे-छोटे दाने होते हैं। अजवाइन का इस्तेमाल हम अचार में और सब्जी में करते हैं। अजवाइन में एक प्रमुख यौगिक थाइमोल मौजूद होता है जो पाचक एंजाइम को स्टीमुलेट करता है जिससे खाना जल्दी और बेहतर तरीके से पचता है। खाने के बाद अगर अजवाइन का सेवन किया जाए तो ये पेट के एसिड को रेगुलेट करता है और पाचन दुरुस्त रहता है। जिन लोगों को खाने के बाद पेट में भारीपन रहता है, खाना पचता नहीं और कब्ज रहती है ऐसे लोग खाने के तुरंत बाद अजवाइन को फांक लें। अजवाइन हाजमा को दुरुस्त करती है, खाना जल्दी पचता है, गैस और एसिडिटी से राहत मिलती है।

सौंफ से करें पाचन का इलाज

खाने के बाद सौंफखाने का चलन सदियों पुराना है। सौंफ बेहतरीन माउथ फ्रेशनर है और पेट का इलाज भी है। सौंफमें ऐसे यौगिक होते हैं जो पेट में पाचक एंजाइम के उत्पादन को बढ़ाते हैं। इससे खाना जल्दी और आसानी से पचता है। जिन लोगों को खाने के बाद पेट में गैस होती है, पेट फूलता है और खट्टी डकार आती है ऐसे लोग खाते ही तुरंत भुनी हुई सौंफका सेवन करें। सौंफका गुण गैस को बाहर निकालने में मदद करता है। एक्सपर्ट ने बताया खाने के बाद सौंफ खाने से पाचन एंजाइम का स्राव बढ़ता है जिससे खाना जल्दी पचता है। फाइबर से भरपूर सौंफका सेवन करने से पेट से लेकर आंतों तक की सफाई होती है।

सौंफ और अजवाइन का सेवन कैसे करें

सौंफ-1 चम्मच, अजवाइन-1 चम्मच और काला नमक -1/2 चम्मच या अपने स्वाद के मुताबिक ले सकते हैं। सौंफऔर अजवाइन को हल्की आंच पर भून लें और उसमें नमक मिलाएं। तीनों चीजों को अच्छी तरह मिलाकर उसका सेवन करें। खाने के बाद एक चम्मच इस मसाले का सेवन करने से पेट की गैस और भारीपन का इलाज होगा। इस मसाले को खाने से पाचन दुरुस्त रहेगा।

मासिक धर्म स्वच्छता पर विशेषज्ञों ने की खुलकर बात
डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा- बेहतर जागरुकता की जरूरत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ब्लू बर्ड फाउंडेशन द्वारा विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर वृंदावन हॉल, सिविल लाइंस में चर्चा और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा मुख्य अतिथि रहीं तथा छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर डॉ वर्णिका शर्मा ने कहा कि मासिक धर्म स्वच्छता पर बेहतर जागरुकता की ज़रूरत है।

डॉ. शर्मा ने मासिक धर्म पर कैसी शर्म? यह विषय मन से जुड़ा है। पहले मन को समझें, स्वीकार करें, फिर शर्म जैसी कोई बात नहीं रह जाती। उन्होंने कहा कि यह समय है जब समाज को मासिक धर्म जैसे विषयों पर खुलकर संवाद करने की आवश्यकता है। ऐसे आयोजनों से न केवल वर्जनाएं टूटती हैं, बल्कि सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन को भी बल मिलता है। कार्यक्रम में मौजूद अमरजीत छाबड़ा ने कहा, हम एक ऐसे समाज से आए हैं जहाचुप्पी को मर्यादा माना जाता था। पीड़ा को सहना सिखाया जाता था, परंतु बोलने से रोका जाता था। आज जब महिलाएं, पुरुष और युवा मिलकर खुलकर बोल रहे हैं, तो यह बदलाव स्वागत योग्य है। यह संवाद नई पीढ़ी को साहस देगा।

इस आयोजन का उद्देश्य मासिक धर्म के प्रति सामाजिक जागरूकता बढ़ाना, इससे जुड़ी भ्रांतियों को तोड़ना और एक स्वस्थ, संवेदनशील तथा समानता-आधारित संवाद की संस्कृति को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का संयोजन ब्लू बर्ड फाउंडेशन की निदेशक सुधा वर्मा और होटल पाम क्लब इन एवं रूफटॉप वेलनेस की संचालिका सोना काले द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस वर्ष की थीम रही बाधाएं तोड़ना, आवाज़ों का उत्सव मनाना। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की प्रख्यात महिलाएं पैनलिस्ट के रूप में शामिल हुईं और मासिक धर्म से जुड़े मिथकों, स्वास्थ्य मुद्दों और सामाजिक दृष्टिकोणों पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए।

विद्यालयों में मासिक धर्म शिक्षा की जरूरत

स्वास्थ्य कार्यकर्ता डॉ. निमिषा काले ने कहा कि विद्यालयों में मासिक धर्म शिक्षा अनिवार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे लड़कियों को शुरू से ही जानकारी और आत्मबल मिले। सह-संस्थापक अमानत आस्था वर्मा ने कमज़ोर वर्ग की लड़कियों पर मासिक धर्म से जुड़ी मान्यताएँ का प्रभाव और उनकी शिक्षा में रुकावटों पर प्रकाश डाला। निदेशक माँ फाउंडेशन स्निग्धा चक्रवर्ती, : मासिक धर्म के रक्त को गंदा मानने की भ्रांति को तोड़ते हुए इसे एक स्वाभाविक, स्वच्छ प्रक्रिया बताया। पुलिस निरीक्षक प्रियंका शर्मा ने कहा पुरुष प्रधान क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं पर मानसिक दबाव और आत्मविश्वास की चुनौतियों को रेखांकित किया। इस्कॉन प्रचारक कामना बावनकर ने कहा कि बाह्य व आंतरिक स्वच्छता दोनों पर बल देते हुए धार्मिक ग्रंथों में मासिक धर्म के मानवीय दृष्टिकोण की चर्चा की।

किसी भी गतिविधि में रोक लगाने का कानूनी आधार नहीं

विधि छात्रा निधि काले ने कहा कि मासिक धर्म के दौरान किसी भी गतिविधि में रोक लगाने का कोई कानूनी आधार नहीं है, और इसे मानव अधिकारों के तहत मान्यता देने की मांग की। आत्म-रक्षा प्रशिक्षक हर्षा साहू ने बताया कि मासिक धर्म के दौरान भी लड़कियां शारीरिक रूप से सक्षम होती हैं और आत्मरक्षा सहित सभी गतिविधियाँ कर सकती हैं। खूबसूरत बुटीक की संचालिका सुनीता जड़वानी ने कहा आत्मविश्वास बढ़ाने वाले परिधानों को अपनाने की सलाह दी और घरेलू कामकाजी महिलाओं को जागरूक करने की बात कही।

यह जैविक प्रक्रिया महिला स्वास्थ्य का संकेत

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. संजना अग्रवाल ने कहा कि मासिक धर्म को अशुद्ध मानने की धारणा का खंडन करते हुए बताया कि यह जैविक प्रक्रिया महिला स्वास्थ्य का संकेत है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में टैम्पोन व मेंस्ट्रुअल कप के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. उज्ज्वला वर्मा, ने कहा लंबे समय तक सैनिटरी नैपकिन के प्रयोग से होने वाली त्वचा समस्याओं की जानकारी दी और समय-समय पर उत्पाद बदलने की सलाह दी।

महिला सशक्तिकरण पर काम करने वाली महिलाओं का सम्मान

कार्यक्रम के अंत में स्वास्थ्य, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में अनुकरणीय कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इन महिलाओं के योगदान को न केवल समाज के लिए प्रेरणास्रोत माना गया। बल्कि यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक मजबूत संदेश भी बना। इस प्रेरणादायक कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे, जिनमें शिक्षाविद्, चिकित्सक, सामाजिक कार्यकर्ता, युवतियाँ एवं छात्र-छात्राएँ शामिल थे। ब्लू बर्ड फाउंडेशन ने इस आयोजन के माध्यम से मासिक धर्म जैसे संवेदनशील विषय को मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक साहसिक और सराहनीय कदम उठाया है।

खास खबर

किसानों को आधुनिक कृषि से जोड़ने को रवाना हुआ रथ

दंतेवाड़ा। किसानों को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ दंतेवाड़ा जिले से हुआ। यह पहल कृषि क्षेत्र में नवाचार और वैज्ञानिक पद्धतियों को बढ़ावा देने के साथ किसानों को पारंपरिक खेती से आगे बढ़ाकर आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने की दिशा में एक निर्णायक प्रयास है। इस अभियान के तहतरथ को विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी एवं अन्य जनप्रतिनिधि सहित रथ को हरी झंडी दिखाई गई। विकसित कृषि संकल्प रथ जिले के गांव-गांव पहुंचकर कृषि विभाग सहित उद्यान, मछली पालन एवं पशुपालन विभागों की उन्नत कृषि उन्मुखी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी देने के साथ-साथ उनसे लाभान्वित होने के लिए प्रेरित करेगा। इसके साथ ही चयनित ग्रामों में शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों को कृषि संबंधी आधुनिक उपकरण प्रदाय किए जाएंगे। कृषि के पारंपरिक पद्धतियों से आगे बढ़ाकर वैज्ञानिक आधुनिक एवं नवाचार की जानकारी दी जाएगी।

महाराणा प्रताप जयंती पर निकाली जाएगी शोभायात्रा

धमतरी। महाराणा प्रताप की 485वीं जयंती पर गुरुवार को धमतरी में भव्य आयोजन हुआ। क्षत्रीय राजपूत समाज ने पूरे दिन उत्सव मनाया। शाम को ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष तृतीया पर शौर्य यात्रा निकाली गई। यह यात्रा घड़ी चौक से शुरू होकर इतवारी बाजार स्थित महाराणा प्रताप सामुदायिक भवन पहुंची। वहां मंचीय कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर रामू रोहरा थे। अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष राजेश सिंह परिहार ने की। विशिष्ट अतिथि यदुनंदन सिंह रहे। अतिथियों ने महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े प्रसंग सुनाए। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप एक महान योद्धा थे। उन्होंने अपनी वीरता और दृढ़ संकल्प से इतिहास में अमिट छाप छोड़ी। मेवाड़ की रक्षा के लिए उन्होंने शक्तिशाली मुगल सेना से संघर्ष किया। शाम को घड़ी चौक में महाराणा प्रताप की तस्वीर की पूजा-अर्चना की गई। उनकी शौर्य गाथा पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में हेमंत सिंह ठाकुर, गजानंद सिंह ठाकुर, राकेश सिंह परिहार, जगमोहन सिंह ठाकुर, चैतन्य सिंह, बंटी राजपूत, दीपक सिंह ठाकुर, अभिषेक ठाकुर, अनिमेश सिंह, विनय सिंह, विराट सिंह, मुन्ना सिंह, हनुमान सिंह वर्मा, विजय सिंह ठाकुर, कुलदीप सिंह, संतोष सिंह, पुष्पा ठाकुर, कामिनी कौशिक, मीना ठाकुर, रेखा परिहार, ममता ठाकुर, रागिनी सिंह, ज्योति सिंह और शैला चंदेल मौजूद रहे।

आदिवासी वाद्य यंत्रों और कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई

डौंडी। ग्राम पटेली में समाधान शिविर लगाया। इसमें आदिम जाति विकास विभाग ने आदिवासी लोक कला, संस्कृति और वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी लगाई। बास से बनी कलाकृतियां भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। तुरमुड़ी, गाय के गले में बांधने वाली घंटी और अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों को भी प्रदर्शनी में शामिल किया गया। शिविर में आदिवासी बाहुल्य जिलों की परंपरा, रहन-सहन और स्थानीय जीवनशैली को दर्शाया गया। देवगुड़ी, बांस से बनी कलाकृतियां और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की झलक ने लोगों को आदिवासी संस्कृति से जोड़ा। आयोजन स्थल पर विभागों ने विभिन्न थीम पर स्टॉल लगाए। इन स्टॉलों के माध्यम से लोगों को आदिवासी जीवन के विविध पहलुओं की जानकारी दी गई।

शिविर में जनकल्याण की बयार: श्रमिक कार्ड, आवास सहायता राशि और दिव्यांगजनों को मिला सहारा

अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर अबुझमाड़ को विकसित करने में सहयोग करें - मरकाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। सुशासन तिहार 2025 में प्राप्त आवेदन पत्रों के मांग एवं शिकायतो का 31 मई 2025 तक समाधान शिविर आयोजित कर प्राप्त आवेदनो का समाधान किया जाएगा, जिसके परिपालन में विकासखण्ड नारायणपुर में 8 कलस्टर में शिविर आयोजित किया जा रहा है।

इसी कड़ी में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशानुसार 29 मई को ओरछा में समाधान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें ग्राम पंचायत ढोंढरबेड़ा, कोडोली, मण्डाली, मुरूमवाड़ा, हिकुल, पिड़ियाकोट, थुलथुली, हांदावाड़ा, पोचावाड़ा, रेकावाया, डुंगा, जाटलूर, आदेर, ओरछा, गोमागाल, गुदाड़ी और लंका के ग्रामीणजन शामिल होकर अपनी अपनी समस्याओं का निराकरण कराया। शिविर में क्रेडा, कृषि, लोक स्वास्थ्य

यांत्रिकी, पशुधन विकास एवं अन्य विभाग के अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी उपस्थित ग्रामीणों को दी गई।

जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाधान शिविर में किसी भी प्रकार की समस्या या मांग हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आपके गांव में सरकार पहुंची है सड़क, पुल पुलिया, बिजली, पानी स्वास्थ्य संबंधी कोई भी किसी भी प्रकार की समस्या हो तो आवेदन कर निराकरण किया जा सकता है। अबुझमाड़ क्षेत्र के विकास के लिए सबसे पहल क्षेत्र को शिक्षित करना पड़ेगा, जिससे स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल सहित सरकार के सभी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक हो सकेंगे। उन्होंने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से आग्रह करते हुए कहा है कि शासन के योजनाओ का धरातल पर उतारनें के लिए हम सब को आगे आना पड़ेगा तभी अबुझमाड़ क्षेत्र का विकास होगा। उन्होंने अपने जीवन यापन से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या हो तो समाधान शिविर में आकर समाधान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ लेने के लिए सबसे पहले ग्राम पंचायत में समाधान या शिकायत कर सकते हैं, जो हमारी पहली सरकार होती है। यदि किसी का आवेदन का निराकरण नहीं होने पर संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर शीघ्र निराकरण कर सकते हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को अपने अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर अबुझमाड़ को विकसित करने में सहयोग करने की अपील की। अब अबुझमाड़ का परिवर्तन करने का समय आ गया है। जल जंगल जमीन को बचाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है, जिसका लाभ उठाकर परिवार के जोन स्तर के साथ साथ जिले को विकसित करने में योगदान दें। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों से कहा कि क्षेत्र के किसानों को धान और मक्का बीज समय पर उपलब्ध कराने कहा ताकि समय पर बीज बो सकें।

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने समाधान शिविर को संबोधित करते हुए ओरछा में बुधवार को होने वाली साप्ताहिक बाजार में जिला प्रशासन द्वारा लगाई गई शिविर में आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, मनरेगा कार्ड, आधार कार्ड इत्यादि बनाने की जानकारी दी। ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी के मौसम में पानी की शिकायत हो रही है।

60 से ज्यादा युवा सीख रहे एआई की बारीकियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में युवाओं को कम अवधि के प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रोजेक्ट युवा के तहत कई तरह की ट्रेनिंग दी जा रही है। इसी प्रोजेक्ट के तहत लगभग 60 युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रयोग और उसे रोजगार के साधन के रूप में अपनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्थानीय शासकीय श्रवण बधितार्थ बालिका विद्यालय में चल रहे इस प्रशिक्षण में गूगल की प्रतिनिधि के रूप में पूजा द्वारा युवाओं को एआई की बारीकियां सिखाई जा रहीं हैं।

इस प्रशिक्षण में मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, ऑटोमेशन जैसी तकनीकों की विस्तृत जानकारी

युवाओं को दी जा रही है। एआई के माध्यम से जटिल कामों को आसानी से करने, एआई से म्युजिक, इमेज, वीडियो, पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन आदि बनाने के बारे में जानकारी दी जा रही है। इस प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागियों को गूगल द्वारा प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे। प्रशिक्षण में एआई का प्रयोग कर विश्लेषण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कृषि जैसे क्षेत्रों में उपयोग के बारे में भी बताया जा रहा है। चैटजीपीटी, डेटा एनालिटिक्स और ऑटोमेशन जैसी तकनीकों की बेसिक जानकारी के साथ-साथ लाइव डेमो द्वारा एआई से रिपोर्ट तैयार करने या सोशल मीडिया के लिए कंटेंट जनरेट करने के बारे में भी बताया जा रहा है।

एआई बन सकता है रोजगार का साधन: कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने प्रतिभागियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि एआई तकनीक आज के समय की मांग है। इसकी सहायता से हम अपने कामों को तेजी से और गुणवत्ता से कर सकते हैं। युवा इसे सीखकर अपने स्वयं का स्टार्टअप या रोजगार शुरू कर सकते हैं और लोगों को भी रोजगार दे सकते हैं। कलेक्टर ने कहा कि एआई के क्षेत्र में स्वरोजगार शुरू करने के इच्छुक युवाओं को जिला प्रशासन द्वारा भी बैंक के माध्यम से वित्तीय सहायता दिलाने जैसे कामों में मदद की जाएगी।

जागरूकता: कंडेल कॉलेज में तंबाकू के नुकसान बताए गए

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर शासकीय महाविद्यालय कंडेल में जन जागरूकता अभियान और पौधरोपण कार्यक्रम हुआ। यह आयोजन राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ यूएल कौशिक के निर्देशन में हुआ।

नोडल अधिकारी डॉ एमए नसीम ने मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में तंबाकू सेवन से होने वाले नुकसान बताए गए। बताया कि तंबाकू में निकोटीन और अमोनिया जैसे हानिकारक तत्व होते हैं। धूम्रपान से शरीर पर बुरा असर पड़ता है। इससे कैंसर जैसी गंभीर

बीमारियां होती हैं। नशे की शुरुआत कैसे होती है और इससे बाहर कैसे निकला जाए, इसकी जानकारी दी गई। कोटपा एक्ट 2003 की धाराओं की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कंडेल कॉलेज के सहायक प्राध्यापक पितांबर सिन्हा और संजय पावर मौजूद रहे।

योग आयोग अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा का निगम भाजपा पार्षदों ने किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर योग आयोग अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा बुधवार को अपने बस्तर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में नगर पालिका निगम जगदलपुर अध्यक्ष खेम सिंह देवांगन के नेतृत्व मे समस्त एमआईसी सदस्य गण व पाषर्दगण द्वारा बुके देकर स्वागत किया गया। छत्तीसगढ़ योग आयोग अध्यक्ष के पद पर शपथ के साथ ही रूपनारायण सिन्हा योग को बढ़ावा देने जुट गए हैं। उनके द्वारा व्यापक योजना तैयार करने के साथ ही जिले का दौरा किया जा रहा है। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है इस विषय पर जगदलपुर के पार्षद गणों के साथ व्यापक रूप से योग दिवस

मनाया जाये इस पर विस्तार से चर्चा की गई।

रूप नारायण सिन्हा ने कहा योग प्रशिक्षक तैयार सभी स्कूलों में योग कराया जाएगा। इसकी शुरुआत सरस्वती शिशु मंदिरों से होगी क्योंकि सनातन धर्म में प्रचार में शिशु मंदिरों की अहम भूमिका होती है। प्रत्येक माह जिलों में योग दर्शन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। छत्तीसगढ़ को एक स्वस्थ व निरोग राज्य के रूप में उभारेंगे। योग को जन-जन तक पहुंचने के लिये प्रयास में कोई कसर नहीं रहेगी। इस अवसर पर मुख्य रूप अध्यक्ष नगर निगम खेम सिंह देवांगन, जल कार्य सभापति सुरेश गुप्ता, लोक निर्माण सभापति निर्मल पाणिग्रही, स्वच्छता सभापति लक्ष्मण झा, बाजार सभापति राणा घोष, विधि सभापति संजय विश्वकर्मा, राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा, महिला बाल विकास सभापति त्रिवेणी रंधारी, सचेतक हरिश पारेख, पार्षद पितामह नायक सहित पार्षदगण उपस्थित थे।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

सरकारी स्कूल में चोरी, हेडमास्टर के ऑफिस से टीवी व लैपटॉप पार, इंडक्शन टॉप भी ले गए चोर

भिलाई। दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र के डुंडेरा स्थित सरकारी स्कूल में चोरी का मामला सामने आया है। सरकारी स्कूल में प्रधान पाठक के ऑफिस में चोरी हुई है। यहां से चोरों ने टीवी, लैपटॉप व अन्य सामग्री चुरा ली। इस मामले में उतई पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ 305-BNS, 331(4)-BNS तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

उतई पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शासकीय प्राथमिक शाला डुण्डेरा की प्रधान पाठिका उर्वशी शर्मा बताया कि 29 मई की सुबह अपने स्टाफके साथ स्कूल पहुंची तो देखा कि स्टोर रूम का दरवाजा का ताला टूटा हुआ था। अंदर प्रधान पाठक के कक्ष में रखा स्मार्ट टीवी, डेल कंपनी का लेपटाप, स्टाफरूम में रखे इंडक्शन बजाज कंपनी का एवं स्टोर रूम में रखे स्वछता सामाग्री किसी ने चुरा ली। 28 व 29 मई की रात को अज्ञात चोर ने सामान चुराया है। कुल 60 हजार रुपए का सामान चोरी किया गया। इस मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोयला घोटाला केस में रानू, सौम्या, विश्नोई और सूर्यकांत को सुप्रीम कोर्ट से जमानत, फिर भी रहना होगा जेल में

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोयला लेवी घोटाले में जेल में बंद रानू साहू, सौम्या चौरसिया, समीर विश्नोई और सूर्यकांत तिवारी को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने कोयला घोटाले मामले में अंतरिम जमानत दे दी है। हालांकि इस सभी सख्त पाबंदी के तौर पर जमानत मिली है। गवाहों को प्रभावित करने की आशंका के चलते कोर्ट ने जमानत के बाद छत्तीसगढ़ में रहने पर पाबंदी लगाई गई है। जमानत मिलने के बाद भी इसके बाद भी उन्हें जेल में ही रहना होगा।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकार दत्ता की डबल बेंच ने इस जमानत याचिका पर सुनवाई की है। तीनों लंबे समय से जेल में बंद है। छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाले का खुलासा भूपेश बघेल की सरकार में मामने आया था। इसके बाद से ही इस घोटाले में जांच एजेंसी कार्रवाई कर रही हैं। हालांकि सभी आरोपी जमानत मिलने के बाद भी जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे। उन्हें ईओडब्ल्यू में दर्ज दूसरे मामलों की वजह से जेल में ही रहना होगा। कोयला घोटाले का मास्टर माइंड सूर्यकांत तिवारी को बताया जा रहा है। अवैध कोल लेवी घोटाला करीब 570 रुपये करोड़ का बताया जा रहा है। सिंडिकेट बनाकर इस पूरे घोटाले को अंजाम दिया गया था। दीवा किया जा रहा है कि 25 रुपये प्रति टन के हिसाब से अवैध वसूली की जाती थी।

लालच देकर की 6 लाख ठगी

बिलासपुर। दंपति पैसों को दोगुना करने का लालच देकर युवक से 6 लाख रुपए की ठगी कर ली। कम समय में ज्यादा पैसे कमाने और उसे दोगुना करने का लालच देकर स्कैमर्स लगातार लोगों से पैसे ऐंठ रहे हैं। मामला सकरी थाना क्षेत्र का है, जहां पति-पत्नी और उनके साथ ने मिलकर युवक प्रमोद को क्रिप्टोकंपनी में निवेशक कर दोगुना प्रॉफिट होने का झांसा दिया। आरोपी नरोत्तम खुद को क्रिप्टोकंपनी का सीईओ और अपनी पत्नी पूजा को मार्केटिंग मैनेजर बताता था। झांसे में लेकर युवक प्रमोद जायसवाल से 5 लाख रुपए नकद और 1 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कराए गए। युवक ने जब पैसे की मांग की तो आरोपियों ने कंपनी को घाटा होने और पैसे डूबने की बात कहकर मना कर दिया। जिसके बाद पीड़ित युवक प्रमोद ने पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 और 34 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रायपुर पुलिस ने सुलझाई डुमरतराई में हुई 27 लाख की चोरी की गुत्थी, पूर्व कर्मचारी निकला आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। औषधि वाटिका, डुमरतराई में बीते दिनों हुई 27 लाख रुपये की चोरी की गुत्थी को रायपुर पुलिस ने चंद घंटों में सुलझा लिया है। इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने वाला कोई और नहीं बल्कि दुकान मालिक का पूर्व कर्मचारी निकला। आरोपी विजय कश्यप उर्फ गुड्डु को जिला सक्ती के ग्राम मलदा कला से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से पूरी चोरी गई नगदी रकम और एक दोपहिया वाहन बरामद कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी संजय आहूजा ने थाना माना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह माना क्षेत्रांतर्गत डुमरतराई स्थित औषधी वाटिका में अपनी संजय एजेंसी नामक शॉप का संचालन करता है। प्रार्थी 27 मई को दुकान का ताला बंद कर अपने घर श्याम नगर तेलीबांधा चला गया था, रात्रि 10.30 बजे प्रार्थी मेन गेट का लॉक करने गया तो देखा कि घर के बोर्ड में रखी कार की चाबी नही थी कार में देखा तो पाया कि कार में दुकान की चाबी भी नही थी। जिसके बाद प्रार्थी मार्केट से 12 नग नया ताला खरीद कर रात्रि में डुमरतराई औषधी वाटिका पहुचकर दुकान में लगे पुराने ताले को खोलकर नया ताला लगाकर वापस अपने घर श्याम नगर आ गया था।

प्रार्थी 28 मई को लगभग 12 बजे दुकान का ताला खोलकर दुकान के अंदर प्रवेश किया तो देखा कि उसके केबिन में लगा दराज खुला व टुटा हुआ था दराज में रखे नगदी रकम नही था एवं उसके पिता के केबिन का दराज भी खुला व टुटा हुआ था जिसमें रखे नगदी रकम भी नही थे। कोई अज्ञात चोर प्रार्थी के दुकान का ताला खोलकर दुकान अंदर प्रवेश कर दुकान के दराज में रखे नगदी रकम को चोरी कर फरार हो गया था। जिस पर अज्ञात अरोपी के विरूद्ध थाना माना में अपराध क्रमांक 157/25 धारा 331(4), 305 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

लाखों रूपये चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज रायपुर अमरेश मिश्रा तथा पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवा रायपुर विवेक शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम संदीप मित्तल, नगर पुलिस अधीक्षक माना लम्बोदर पटेल, उप पुलिस अधीक्षक क्राईम संजय सिंह, प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी माना को आरोपी की जल्द से जल्द पतासाजी कर गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया।

जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना माना पुलिस की संयुक्त पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण करने के साथ-साथ घटना के संबंध में प्रार्थी तथा आस-पास के लोगों से विस्तृत पूछताछ करते हुए आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल तथा उसके आस-पास में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाकर भी आरोपी को चिन्हांकित करने के प्रयास किये जा रहे थे।

इसी दौरान सीसीटीवी कैमरों के फुटेजों के अवलोकन के दौरान टीम के सदस्यों को घटना स्थल के आस-पास 01 व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में देखा गया जिसके संबंध में पतासाजी करने पर जानकारी प्राप्त हुआ कि वह विजय कश्यप है जो प्रार्थी के यहां चालक का कार्य करता था तथा 05 माह पूर्व काम छोड़कर चला गया था। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा उसके ऊपर शक गहरा गया एवं उसके संबंध में जानकारी एकत्रित की गई जिसमें टीम के सदस्यों को जानकारी प्राप्त हुआ कि कुछ दिनों पूर्व से आरोपी विजय कश्यप अपने गांव मलदा कला सक्ती में रह रहा है एवं कहीं जाने में फिराक में है।

जिस पर आरोपी के ग्राम मलदाकला भाग जाने के स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए एवं ग्राम मलदा कला, जिला जांजगीर एवं सक्ती के सरहद होने के कारण रायपुर पुलिस द्वारा जिला जांजगीर पुलिस एवं जिला सक्ती पुलिस से समन्वय स्थापित किया गया। जिसपर पुलिस अधीक्षक महोदय विजय पाण्डेय जिला जांजगीर चांपा एवं पुलिस अधीक्षक महोदया श्रीमती अंकिता शर्मा(भा.पु.से) जिला सक्ती के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी बिर्रा तथा थाना प्रभारी हसौद के सहयोग से आरोपी विजय कश्यप के ग्राम मलदाकला में उनकी उपस्थिति में रेड कार्यवाही कर आरोपी को पकड़ा गया तथा विधि सम्मत कार्यवाही करते हुए रायपुर पुलिस के सुपुर्द किया गया।

पूछताछ में आरोपी विजय कश्यप द्वारा बताया गया कि उसे पैसो की आवश्यकता थी एवं पूर्व में प्रार्थी के यहां चालक का कार्य करने के कारण उसे प्रार्थी के पैसे रखने के जगह के संबंध में जानकारी थी, जिसके कारण उसके द्वारा दिनांक घटना को मौका पाकर उक्त लाखों रूपये चोरी की घटना को अंजाम देकर दोपहिया वाहन से अपने ग्राम मलदा कला फरार होना स्वीकार किया गया। जिस पर आरोपी विजय कश्यप उर्फगुड्डु को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की सम्पूर्ण नगदी रकम 27,00,000 रुपये तथा घटना में प्रयुक्त 01 नग दोपहिया वाहन जुमला कीमती लगभग 27,50,000 रुपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया।

नक्सलवाद पर एक बड़ी चोट: खूंखार नक्सली कुंजाम हिड़मा गिरफ्तार, बसवराजू की मौत के बाद मिली बड़ी कामयाबी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। कोरापुट पुलिस को एक बड़ी सफलता हासिल हुई है, जहां पुलिस ने नक्सली हिड़मा को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं हिड़मा के पास से हथियार के साथ ही गोला बारूद भी बरामद किया गया है।

बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में पुलिस के द्वारा नक्सलियों के टॉप लीडर को टारगेट करने के साथ ही उनके खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। जिससे कुछ महीनों में ही पुलिस जवानों ने करीब 100 से अधिक नक्सलियों को मार गिराने के साथ ही 100 से अधिक नक्सलियों ने आत्म समर्पण भी कर चुके है। ऐसे में बस्तर के नक्सली डर और अपनी जान बचाने के लिए छत्तीसगढ़ सीमा से लगे ओड़िसा में पनाह ले रहे है, ऐसे में नक्सलियों के बड़े लीडर बसवाराजू की मौत के बाद नक्सलियों की पूरी टीम बिखर गई है।

ऐसे में छत्तीसगढ़ के नक्सली अपनी जान बचाने पड़ोसी सीमाओं में छुप कर अपनी जान बचाने में लगे हुए हैं। ओड़िसा की कोरापुट पुलिस ने बॉर्डर पार करते हुए एक नक्सली को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए नक्सली के पास से अत्याधुनिक हथियार से लेकर गोला बारूद भी बरामद किया गया है, पकड़ा गया नक्सली एसीएम रैंक का नक्सली कुंजाम हिड़मा बताया जा रहा है। जिसकी तलाश बस्तर पुलिस के साथ ही ओड़िसा पुलिस के द्वारा भी किया जा रहा था। लेकिन हिड़मा छत्तीसगढ़ छोड़ ओड़िसा में आ पाता, इससे पहले ही कोरापुट पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है।

नक्सलियों ने लूटी 5000 किलो विस्फोटक से भरी वाहन, ओडिशा -छत्तीसगढ़ में अलर्ट जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ और ओडिशा सीमा पर नक्सलियों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए विस्फोटकों से भरी वैन को लूट लिया है। वैन में करीब 5000 किलोग्राम बारूद जो 25-25 किलो के 200 पैकेट में भरा हुआ है । यह विस्फोटक झारखंड सीमा से लगे ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले स्थित बैंग पत्थर खदान में भेजा जा रहा था।

20 से 30 की संख्या में भारी हथियारों से लैस नक्सली मौके पर पहुंचे और वैन को घेर लिया और वहां चालक को अगवा कर विस्फोटक को जंगल की ओर ले गए। इस घटना के बाद ओडिशा और छत्तीसगढ़ में सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि लूटे गए इस बारुक से लगभग 200 एसयूवी या 100 बख्तरबंद वाहन उड़ाए जा सकते हैं।

कोयले से भरी ट्रक में लगी आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। शॉर्ट सर्किट के कारण गुरुवार रात अचानक एक ट्रक में आग लग गई। एसईसीएल गेवरा खदान में सैंपल चेकिंग के दौरान यह घटना हुई। कोयले से भरी ट्रक लाइन में खड़ी थी। पीछे लाइन से कई ट्रक खड़े थे। आग की चपेट में आने से ट्रक में लदा कोयला जलने लगा।

मौके पर कई अन्य कोयला लदे ट्रक में आग के फैलने का खतरा देखते हुए सभी ट्रकों को तुरंत वहां से हटाया गया। घटना की सूचना मिलते ही एसईसीएल की दमकल टीम मौके पर पहुंची। हालांकि दमकल के पहुंचने से पहले ही ट्रक का काफी हिस्सा और कोयला जल चुका था। दमकल की मदद से आग पर काबू पाया गया। जानकारी के मुताबिक, कई बार साइडिंग से जलता हुआ या गर्म कोयला लोड किया जाता है। इस कारण पहले भी ट्रकों में आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। चालक ने घटना की सूचना कंपनी को दी, जिसके बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे और आगे की कार्रवाई की। बता दें कि इससे पहले गेवरा खदान में कोयला चोरी के दौरान दो युवकों की मौत और एक के घायल होने की घटना हुई थी। ये घटनाएं खदान की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं।

शादी के नाम पर धोखा: अफसर पर लगे संगीन आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। आदिवासी विकास विभाग बीजापुर के सहायक आयुक्त पर एक महिला ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप लगाया है। पीड़िता ने गीदम थाने में मामले की शिकायत की है। वहीं सहायक आयुक्त ने भी थाने में आवेदन देकर महिला पर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही। पीड़ित महिला का आरोप है कि सहायक आयुक्त 2018 से शादी का झांसा देकर लगातार दैहिक शोषण करता रहा। उसने दवाई खिलाकर तीन बार गर्भपात भी कराया। जब शादी के लिए कहा तो उन्होंने मोबाइल नंबर ब्लैक लिस्ट में डाल दिया। इस मामले की शिकायत करने 16 मई से लगातार गीदम थाने का चक्कर काट रही थी, लेकिन 26 मई को मामला पंजीबद्ध किया गया वो भी दैहिक शोषण का केस दर्ज नहीं हुआ है। महिला ने आरोप लगाया है कि पुलिस भी सहायक आयुक्त की मदद कर रही है। पीड़ित महिला ने मीडिया को डिजिटल साक्ष्य भी उपलब्ध करवाए हैं। इन साक्ष्यों में कितनी सच्चाई है, ये तो पुलिस जांच का विषय है। पीड़िता ने जो कॉल रिकॉर्ड दी है उसमें एक व्यक्ति द्वारा महिला को बड़ी बेहरहमी से पीटने की आवाज आ रही है।

पीड़िता का दावा है कि जो मारपीट कर रहा है वह सहायक आयुक्त आनंद सिंह है। इधर सहायक आयुक्त ने भी गीदम थाना पुलिस को छह पेज का आवेदन दिया है। इस आवेदन में उन्होंने महिला पर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया है। सहायक आयुक्त ने आवेदन में लिखा है कि महिला एक करोड़ रुपए की डिमांड कर रही है। पत्र में इस बात का भी उल्लेख है कि उन्होंने महिला के साथ यौन संबंध बनाए हैं। इस विषय पर आनंद सिंह से दूरभाष पर बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका नबंर बंद आ रहा है। पीड़ित महिला ने एक और गंभीर आरोप लगाया है कि सहायक आयुक्त आनंद सिंह ने उसके साथ संबंध बनाए। उसका तीन बार गर्भ ठहरा तो तीनों बार दवाई खिलाकर गर्भपात करवाया गया। पीड़िता का यह भी कहना है कि जब शादी का वादा किया है तो उनको शादी करना चाहिए। थाना में जब से आवेदन दिया है लगातार आनंद सिंह के पक्ष से कर्मचारी आ रहे और धमकी दे रहे हैं। इतना ही नहीं खुद आनंद सिंह जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। इस मामले में दंतेवाड़ा एएसपी आरके बर्मन ने कहा, पीड़ित महिला ने सहायक आयुक्त पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप लगाया है।

।। न्यायालय तहसीलदार धमधा, जिला- दुर्ग (छ.ग.) ।।

रा.प्र.क्र.:- 202505100800122/ब-121/वर्ष 2024-2025 ग्राम-रुहा/ प.ह.नं. 08.

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शंकर लाल तिवारी पिता स्व. देव प्रसाद तिवारी निवासी ग्राम-रूहा, तहसील धमधा, जिला-दुर्ग के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि मौजा ग्राम रूहा, तहसील धमधा, जिला-दुर्ग में स्थित खसरा नंबर 102 व 208 रकबा आवेदक के नाम ऋण पुस्तिका क्रमांक 1322535 पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है। जो कि उक्त भूमि का बंदोबस्त वर्ष 1978-79 से 1983-84 तक खसरे में उल्लेखित पाया गया, कि वर्तमान राजस्व अभिलेख में आवेदक के नाम पर कम रकबा उल्लेख है। जो कि त्रुटि हुई है। आवेदक उक्त आवेदित भूमि का रकबा में हुई त्रुटि को पूर्व रिकार्ड अनुसार वर्तमान राजस्व अभिलेख में सुधार करने एवं कब्जा दिलाने बाबत् आवेदन के साथ किसान-किताब, नामांतरण पंजी, री-नम्बरिंग सूची व खसरा पाँचसाला कि छायाप्रति संलग्न कर निवेदन किया गया है। तत्संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त प्रश्नाधीन वाद भूमि के संबंध में यदि जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था / समिति को कोई दावा/आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी पेशी दिनांक 13/06/2025 तक न्यायालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक- 27/05/2025
आगामी पेशी दिनांक- 13/06/2025

तहसीलदार
धमधा, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज डॉ. संजीव शुक्ला ने किया रायगढ़ का वार्षिक निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। पुलिस महानिरीक्षक महोदय डॉ. संजीव शुक्ला ने बुधवार सुबह परेड ग्राउंड में परेड की सलामी ली। परेड कमांड की जिम्मेदारी रक्षित निरीक्षक अमित सिंह के पास रही, वहीं सेकंड इन कमान उपनिरीक्षक गेंदलाल साहू रहे। परेड निरीक्षण के दौरान अच्छे गणवेश में उपस्थित पुलिस कर्मियों को आईजीपी ने प्रोत्साहनस्वरूप पुरस्कार प्रदान किया। इसके पश्चात राजपत्रित अधिकारी, निरीक्षक, उपनिरीक्षक व प्रधान आरक्षकों से एक- एक टोलियों का ड्रिल अभ्यास कराया गया। डॉ. शुक्ला ने बारी-बारी से पुलिस बैंड, बीडीएस टीम व वाहन शाखा का निरीक्षण भी किया। परेड निरीक्षण के बाद आयोजित पुलिस सम्मेलन में आईजीपी महोदय ने अधिकारियों व कर्मचारियों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं व सुझाव सुने। सम्मेलन में अधिकतर कर्मियों ने पारिवारिक कारणों से अन्य जिलों में स्थानांतरण की मांग की, जिस पर आईजीपी ने न्यायोचित कार्यवाही का भरोसा दिलाया। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि थानों और चौकियों में आने वाले पीड़ितों की शिकायतों पर संवेदनशीलता से त्वरित कार्रवाई की जाए।

ताकि आम जनता में पुलिस की सकारात्मक छवि बनी रहे। उन्होंने दोहराया कि अनुशासन ही पुलिस व्यवस्था की बुनियाद है और किसी भी स्तर की अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आईजीपी महोदय ने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर बल देते हुए पुलिसकर्मियों को रोजाना कम से कम एक घंटे योग, एक्सरसाइज और वर्कआउट के लिए निकालने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने कहा कि ड्यूटी के साथ-साथ अपने परिवार को भी समय देना जरूरी है, जिससे मानसिक संतुलन बना रहे।

पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आईजीपी महोदय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस की आदर्श छवि को सशक्त करने की दिशा में पूरी निष्ठा से कार्य किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक आकाश शुक्ला, उप पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा, साधना सिंह, उत्तम प्रताप सिंह, सिद्धांत तिवारी एवं जिले के सभी थाना/चौकी प्रभारी उपस्थित रहे। पुलिस महानिरीक्षक महोदय द्वारा दोपहर पुलिस कार्यालय रायगढ़ का निरीक्षण किया गया। पुलिस महानिरीक्षक महोदय ने सभी शाखा प्रमुखों के कार्यों की समीक्षा की तथा उन्हें गुणवत्ता पूर्वक कार्यों के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यालय कमान अधिकारी, 37 छ.ग. बटालियन एनसीसी रविशंकर स्टेडियम दुर्ग छ.ग. - 491001

email-37cgbnnccdurg@gmail.com फोन नं. 0788.2322506

निविदा सूचना

750 एनसीसी छात्रों का संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर **दिनांक 09 जून से 18 जून 2025 एवं 20 जून से 29 जून 2025 तक** जवाहर नवोदय विद्यालय बोराई, में आयोजित किया जावेगा प्रत्येक शिविर के लिये कम से कम 4 से 5 लाख रूपये की राशन सामाग्री की आवश्यकता होगी। अतः दुर्ग भिलाई के थोक राशन विक्रेताओं से राशन हेतु सीलबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदायें **दिनांक 04 जून 2025 तक** आवश्यक रूप से 37 सीजी बटालियन एनसीसी रविशंकर स्टेडियम परिसर में प्राप्त होना अनिवार्य है । उक्त दिनांक के बाद प्राप्त निविदायें किसी भी स्थिति में स्वीकृति नहीं की जावेगी । राशन एवं मसाले आदि की सूची कार्यालय से कार्यलयीन समय में प्राप्त की जा सकती है ।

कमान अधिकारी
37 छ.ग. बटालियन एनसीसी
रविशंकर स्टेडियम दुर्ग छ.ग.

जी-252601238/4

छत्तीसगढ़ में विकसित कृषि संकल्प अभियान का शुभारंभ

गरीब परिवारों को पक्का मकान देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को कर रहे हैं पूरा: मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर जिले के ग्राम भैंसा में आयोजित सुशासन शिविर में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने देशभर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 29 मई से 12 जून तक चलने वाले विकसित कृषि संकल्प अभियान के लिए जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित 110 पक्के मकानों की चाबियाँ हितग्राहियों को सौंपी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह अभियान वैज्ञानिक सहयोग और अनुसंधान को खेतों तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

- भैंसा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सहित विभिन्न विकास कार्यों के लिए दी साढ़े 3 करोड़ की सौगात
- भैंसा में नवीन पुलिस चौकी खोलने की घोषणा
- मुख्यमंत्री ने 110 हितग्राहियों को सौंपी पीएम आवास की चाबी

इस अभियान में केंद्र सरकार के वैज्ञानिक राज्य के वैज्ञानिकों के साथ दल बनाकर कार्य करेंगे तथा आने वाले दिनों में राज्य के 13 लाख से अधिक किसानों से संपर्क किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कृषि वैज्ञानिक और शोधकर्ता प्रयोगशाला से निकलकर खेतों तक जाकर किसानों को उन्नत और संतुलित कृषि की जानकारी देंगे और किसानों से सुझाव भी लेंगे।

मुख्यमंत्री ने सुशासन शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि देश के हर गरीब के पास पक्का मकान होना चाहिए। इसी दिशा में राज्य सरकार ने अब तक 18 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति प्रदान की है, जिनमें से अधिकांश का निर्माण पूरा हो चुका है और शेष निर्माणाधीन हैं। आवास प्लस प्लस योजना में भी पात्र लोगों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य की 70 लाख से अधिक बहनों के खातों में महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह ?1000 अंतरित किए जा रहे हैं। जिनके नाम अब तक नहीं जुड़े हैं, उन्हें भी शीघ्र जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समाधान शिविर में उपस्थित हितग्राहियों से योजनाओं के क्रियान्वयन पर फीडबैक लिया। हितग्राही चमार सिंह पटेल ने जल स्तर में गिरावट को देखते हुए धान के स्थान पर उद्यानिकी और कम जल-आवश्यकता वाली फसलों को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने जैविक खेती को भी प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया। श्रीमती चंदन ने महतारी वंदन योजना के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि वे इस राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं में करती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समाधान शिविर में क्षेत्र के विकास के लिए लगभग ?3.5 करोड़ के विभिन्न कार्यों की घोषणा की। इनमें ग्राम भैंसा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हेतु ?75 लाख, हाईस्कूल भवन निर्माण के लिए 75.23 लाख, पानी टंकी एवं पाइपलाइन विस्तार हेतु 55 लाख, हायर सेकेंडरी स्कूल के लिए 50 लाख, अहाता एवं शेड निर्माण के लिए 20 लाख, ग्राम अमोड़ी में पाइपलाइन विस्तार हेतु 42 लाख और हायर सेकेंडरी स्कूल में तीन अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 24 लाख की स्वीकृति दी गई। उन्होंने भैंसा में नवीन पुलिस चौकी खोलने की भी घोषणा की। इस अवसर पर कृषि पत्रिका का विमोचन भी किया गया। शिविर में हितग्राहियों को कृषि उपकरण हेतु अनुदान चेक, दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल और किसान क्रेडिट कार्ड भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किसानों को कृषि संकल्प अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि रिसर्च सिर्फ प्रयोगशालाओं में न रहे, बल्कि गाँव-गाँव तक पहुँचे। केंद्र सरकार के 100 वैज्ञानिक इस अभियान में भाग लेंगे, जो स्थानीय वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ मिलकर प्रतिदिन दो-दो कैंप लगाएंगे और किसानों को उन्नत खेती की जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि भारत के किसान जितने सशक्त होंगे, देश उतना ही मजबूत होगा।

कार्यक्रम में स्थानीय विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्र के लिए अनेक विकास कार्यों की माँग रखी। समाधान शिविर में रायपुर कलेक्टर श्री गौरव सिंह ने बताया कि जिले में प्रथम चरण में कुल 2,98,635 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 2,89,968 आवेदन माँग संबंधित थे और 8641 शिकायतें थीं। इनमें से सभी का समाधान कर लिया गया है, केवल 26 शिकायतें लंबित हैं। उन्होंने बताया कि शिविरों में 5000 से अधिक लर्निंग लाइसेंस भी बनाए गए हैं।

इस अवसर पर राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, छत्तीसगढ़ बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, किसान कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव शाहला निगार, रायपुर संभाग के आयुक्त महादेव कावरे, एसएसपी लाल उमेद सिंह, जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार विश्वरंजन और नगर निगम आयुक्त विश्वदीप सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित थे।

रानी अहिल्याबाई होल्कर का शासन प्रजा कल्याण राष्ट्र निर्माण और न्याय का स्वर्ण युग : सीएम साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती पर राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री निवास में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। मध्यप्रदेश सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने प्रमुख वक्ता के रूप में संगोष्ठी को संबोधित किया। केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री तोखन साहू और कृषि मंत्री रामविचार नेताम भी संगोष्ठी में शामिल हुए। विभिन्न वर्गों के बुद्धिजीवी, समाज सेवी, डॉक्टर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट, वकील और साहित्यकार भी बड़ी संख्या में संगोष्ठी में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संगोष्ठी में राजमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर के योगदानों को स्मरण करते हुए उन्हें भारत की सांस्कृतिक एकता और सुशासन का प्रतीक बताया। उन्होंने रानी अहिल्याबाई होल्कर के करीब 30 वर्षों के शासन को प्रजा कल्याण, राष्ट्र निर्माण और न्याय का स्वर्ण युग कहा। उन्होंने कहा कि इंदौर की महारानी होने के बावजूद राजमाता ने स्वयं को किसी एक भौगोलिक सीमा में नहीं बांधा। उन्होंने देशभर में मंदिरों और धर्मशालाओं का निर्माण कराया। उन्होंने रामराज्य की अवधारणा को साकार करते हुए तीन दशकों तक होल्कर राजवंश का नेतृत्व किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में रानी अहिल्याबाई होल्कर के योगदान को ऐतिहासिक बताया। पेशवा माधवराव की इच्छा के अनुरूप राजमाता ने इस मंदिर का पुनर्निर्माण कर करोड़ों आस्थावानों की भावना को सम्मान दिया। उन्होंने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का भी ऐतिहासिक निर्णय लिया, जो भारत की सांस्कृतिक पुनर्स्थापना का प्रतीक बना। श्री साय ने कहा कि आज इंदौर देश में स्वच्छता में अग्रणी है, इसके पीछे राजमाता द्वारा स्थापित गुड गवर्नेंस की प्रेरणा है। वे न्यायप्रिय थीं। उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को भी न्याय के लिए दंड देने से परहेज नहीं किया।

मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने संगोष्ठी को प्रमुख वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर ने 1767 से 1795 तक अपने 28 वर्षों के शासन काल में धर्मसत्ता और न्यायसत्ता की आवाज बुलंद की। उन्होंने अपने जीवन में तमाम विपत्तियों के बीच अनेक अनुकरणीय कार्य किए। उन्होंने अपने शासन काल में सार्वजनिक धन और राजकोष के सदुपयोग की मिसालें कायम की। राजसत्ता की कोई राशि कभी अपने लिए खर्च नहीं की।

श्री पटेल ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर अपने पति के निधन के बाद कभी राजमहल में नहीं रहीं। झोपड़ी में अपना जीवन बिताया। न्याय के लिए उन्होंने अपने पुत्र को मृत्युदंड की सजा सुनाई थी। उन्होंने अपने शासन में विधवाओं को दत्तक पुत्र लेने की अनुमति प्रदान की। रानी अहिल्याबाई होल्कर के प्रजाहितैषी और कल्याणकारी कार्यों के कारण उनके राज्य के लोगों ने उन्हें लोकमाता का दर्जा दिया था।

विधायक किरण देव और छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष श्री नारायण चंदेल ने भी संगोष्ठी में रानी अहिल्याबाई होल्कर के व्यक्तित्व, कार्यों और उनके शासन काल की विशेषताओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने सुशासन, न्यायप्रियता एवं लोक कल्याणकारी कार्यों के माध्यम से भारतीय इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है। संगोष्ठी के माध्यम से आज हम उनके विचारों का स्मरण कर रहे हैं। उनके कार्य हमें सामाजिक समरसता और जनसेवा के लिए प्रेरित करते हैं। यह संगोष्ठी आज की पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

संगोष्ठी में धनकर समाज के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को रानी अहिल्याबाई होल्कर का तैलचित्र भेंट किया। विधायकगण सर्वश्री सुनील सोनी, मोतीलाल साहू और पुरंदर मिश्रा, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, रायपुर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे, पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय, सीएसआईडीसी के पूर्व अध्यश्र छगन मूंदड़ा और शंकर अग्रवाल सहित कई निगमों, मंडलों, आयोगों के पदाधिकारी और युवा बड़ी संख्या में संगोष्ठी में उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका ने तीन गांव गोद लिए, बेमेतरा, गरियाबंद व खैरागढ़ छुईखदान के गांव शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने एक नई पहल करते हुए, प्रदेश के तीन गांवों को गोद लेने का संकल्प लिया है। बेमेतरा जिले के टेमरी, गरियाबंद जिले के मड़वा डीह, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के सोनपुरी गांव को गोद लेने के लिए चयन किया गया है। इन गांवों में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न फ्लेगशिप योजनाओं के हेतु समुदाय को शामिल करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय विकास की पहल की जाएगी। इसके लिए पृथक से कोई राशि का आबंटन नहीं किया जाएगा, बल्कि विभिन्न योजनाओं में उपलब्ध राशि के समुचित उपयोग एवं निगरानी से ही यह कार्य किया जाएगा। गांवों को गोद लेने से सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में 'मानव-केंद्रित' दृष्टिकोण के साथ गांवों के समावेशी विकास के उद्देश्य पर अधिक जोर दिया जा सकेगा।

राज्यपाल डेका द्वारा जिन गांवो को गोद लिया जा रहा है उनमें जल संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाना, शिक्षा ,स्वास्थ्य एवं पोषण, आजीविका, सामाजिक सुरक्षा, सतत् कृषि, विरासत एवं संस्कृति के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जल संरक्षण के लिए अमृत सरोवर बनाने एवं नरेगा एवं जल जीवन मिशन से कार्य कराए जाने, कैम्पा, नरेगा, वृक्षारोपण अभियान के जरिए हरित आवरण बढ़ाने, प्राथमिक एवं माध्यमिक

स्कूलों में विद्यार्थियों के शाला छोड़ने की दर को कम करने के लिए स्कूलों में अभिभावकों के साथ मीटिंग करने, पुस्तकालयों में शिक्षाप्रद एवं आकर्षक पुस्तकें रखे जाने, एनसीसी, स्कूलों का जीर्णोद्धार आदि कार्यो पर ध्यान दिया जाएगा।

ग्रामीणों के स्वास्थ्य की बेहतरी एवं पोषण के लिए टी बी उन्मूलन, स्वच्छता अभियान, आईसीडीएस, पर जोर रहेगा। ग्रामीणों की आजीविका बढ़ाने के लिए एनआरएलएम, स्व सहायता समूह, कौशल प्रशिक्षण, ग्रामीण उद्यमिता सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में बुजुर्गों एवं दिव्यांगों की देखभाल, नशा मुक्ति और पुनर्वास केंद्र, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाएगा। कृषि में सुधार के लिए जैविक खेती, पारंपरिक कृषि, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, विरासत और संस्कृति-स्थानीय और ग्रामीण पर्यटन, विरासत स्थल के संरक्षण हेतु सामुदायिक प्रयास किए जाएंगे।

इसके अलावा गोद लिए गए गांवों की निगरानी समय-समय पर की जाएगी और विभिन्न परियोजनाओं के परिणाम के रूप में मापने योग्य संकेतकों का मूल्यांकन किया जाएगा जैसे भूजल स्तर में वृद्धि, हरित क्षेत्र में वृद्धि, प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में विद्यार्थियों में शाला छोड़ने की दर आदि। कुल मिलाकर गोद लिए गए गांव संबंधित जिला प्रशासन के लिए गांव के सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय विकास हेतु एक समावेशी मानव केंद्रित दृष्टिकोण रखने के लिए मार्ग दर्शक के रूप में कार्य करेंगे।

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष अगस्त में नई दिल्ली में आयोजित राज्यपालों के सम्मेलन में सभी राज्यपालों को प्रधानमंत्री फ्लेगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में प्रत्येक जिले के अधिकारियों के साथ चर्चा करने के लिए निर्देशित किया गया था। इसी निर्देश के परिपालन में राज्यपाल डेका लगातार प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा कर केन्द्र की फ्लेगशिप योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन का फीडबैक ले रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने कुछ गांवों को आदर्श गांव की तर्ज पर विकसित करने का संकल्प लिया।

धरसीवां में दर्ज संख्या से अधिक शिक्षक

छत्तीसगढ़ सरकार का युक्तियुक्तकरण अभियान बना संतुलन की कुंजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में शिक्षा को प्रभावशाली और समावेशी बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने कई सार्थक पहलें की हैं। इन्हीं पहलों में एक है शालाओं और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण, जिसका मूल उद्देश्य है शासकीय शालाओं में दर्ज छात्र संख्या के अनुपात में शिक्षकों की पदस्थापना। इस पहल से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि ऐसे स्कूलों में भी पढ़ाई की रफ्तार बढ़ेगी, जहां वर्षों से शिक्षक संकट की स्थिति बनी हुई है।

रायपुर जिले के धरसीवां विकासखण्ड में की गई हालिया समीक्षा में कई ऐसी शालाएं सामने

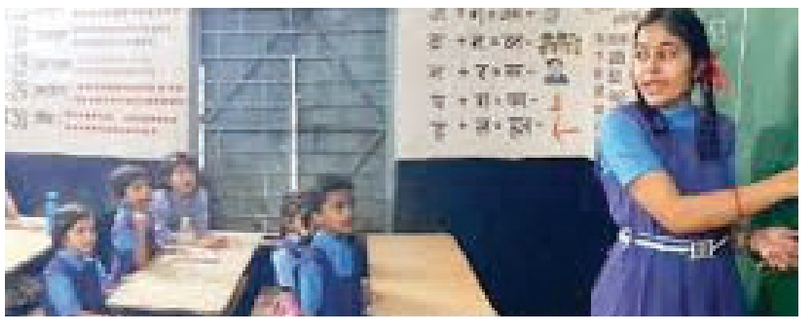

आईं हैं, जहां छात्रों की संख्या अपेक्षाकृत कम है, लेकिन वहां शिक्षक आवश्यकता से कहीं अधिक संख्या में पदस्थ हैं। जैसे शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कन्या सरस्वती नयापारा में केवल 33 छात्राएं हैं, जबकि 7 शिक्षक तैनात हैं। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कन्या रविग्राम में 82 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं और 8 शिक्षक कार्यरत हैं। शासकीय प्राथमिक शाला मानाकैम्प में 104 विद्यार्थी हैं और वहां 11 शिक्षक पदस्थ हैं। शासकीय प्राथमिक शाला तेलीबांधा रायपुर में 109 विद्यार्थी हैं, जबकि 9 शिक्षक हैं। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पी.एल.वाई., बैरनबाजार में 98 विद्यार्थी हैं और 10 शिक्षक कार्यरत हैं।

इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि कुछ विद्यालयों में शिक्षक जरूरत से ज्यादा हैं, जबकि राज्य के अनेक अन्य क्षेत्रों विशेषकर सुदूर और वनांचल में, जहां छात्रों की संख्या अधिक है, वहाँ शिक्षकों की बहुत कमी है। यह असमानता बच्चों के शिक्षा के अधिकार और गुणवत्ता आधारित शिक्षा के रास्ते में बड़ी बाधा बन रही है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने इस असंतुलन को दूर करने के लिए युक्तियुक्तकरण का निर्णय लिया है। इस नीति के तहत विद्यालयों में छात्र-शिक्षक अनुपात का गहन अध्ययन कर यह निर्धारित किया जा रहा है कि कहां कितने शिक्षक की वास्तव में जरूरत है और कहां उनकी अधिकता है। अधिशेष शिक्षकों को आवश्यकता वाले विद्यालयों में पदस्थ किया जाएगा, ताकि सभी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। यह प्रक्रिया वास्तव में छात्रों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट किया है कि उनकी सरकार की प्राथमिकता बच्चों को गुणवत्ता आधारित शिक्षा उपलब्ध कराना है, चाहे वे राजधानी में पढ़ते हों या बस्तर के किसी सुदूर गांव में। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया है कि किसी भी विद्यालय में शिक्षक की कमी न रहे और हर बच्चा समान अवसर पाए। श्री साय का कहना है, शिक्षक हमारे शिक्षा तंत्र की रीढ़ हैं, लेकिन जब वे आवश्यकता से अधिक संख्या में एक ही स्थान पर केंद्रित हो जाते हैं, तो इससे अन्य क्षेत्रों में शैक्षणिक असंतुलन पैदा होता है। युक्तियुक्तकरण से हम इस असंतुलन को दूर करेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में यह सुधार केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं है, बल्कि यह समानता, न्याय और गुणवत्ता की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950